mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-177 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
27 जून 2024 गुरुवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

डेविड वॉर्नर के...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

बीजेपी ने जो महाराष्ट्र में किया वही पंजाब में कर रही

● अकाली दल नेता हरसिमरत कौर का मोदी सरकार पर बड़ा आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने जो महाराष्ट्र में किया, वही वो पंजाब में साजिश रचने की कोशिश कर रही है, लेकिन केंद्र सरकार अपने इस मंसूबे में कामयाब नहीं होगी। कौर ने कहा कि पूरा शिरोमणि अकाली दल एकजुट है और सुखबीर बादल के साथ खड़ा है। भाजपा के कुछ पिट्ठू शिरोमणि अकाली दल को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

हरसिमरत कौर ने कहा कि जो बीजेपी ने जो महाराष्ट्र में किया, वही वो पंजाब में करने जा रही है। लेकिन पूरी पार्टी सुखवीर सिंह बादल जी के साथ मजबूती से खड़ी है। लेकिन बीजेपी अपनी इस साजिश में पूरी तरह से नाकाम होगी। कौर ने कहा कि 117 नेताओं में से केवल 5 नेता सुखबीर बादल के खिलाफ हैं, जबकि 112 नेता पार्टी और सुखबीर बादल के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि जो पांच लोग विरोध में हैं, यह सभी बीजेपी के साथ हैं या उनके संपर्क में हैं। अकाली दल की सांसद ने उन पांच लोगों के बारे में भी बताया, जो सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ है और बीजेपी के साथ हैं या फिर उनके संपर्क में हैं।

शहर में घर बनाने का अब पूरा होगा सपना

● ईडब्ल्यूएस को भी फायदा, मोदी सरकार ने बनाया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत बीते नौ साल में करीब 84 लाख घर बनकर तैयार हो चुके हैं और इन्हें लाभार्थियों को सौंपा जा चुका है। अब केंद्र सरकार ने इस योजना को विस्तार देने की योजना बनाई है। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि अगले महीने पेश होने वाले केंद्रीय बजट में शहरों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), निम्न आय

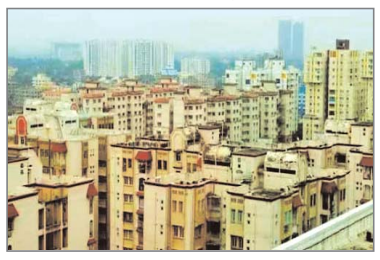

वर्ग (एलआईजी) और मध्यम आय वर्ग (एमआईजी) के लिए किफायती आवास योजना में बदलाव किए जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 10 जून को मंत्रिमंडल ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले फैसले में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत तीन करोड़ अतिरिक्त घरों को मंजूरी दी, जिनमें से एक करोड़ घर पीएमएवाई-शहरी के तहत शहरों के लिए थे। सूत्रों ने बताया कि अतिरिक्त एक करोड़ घरों को पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत तैयार किए जाने की संभावना है। जुलाई में आने वाले बजट में इसके लिए फंड की व्यवस्था की जाएगी। एक अधिकारी ने बताया कि नई योजना में पीएमएवाई से सीख ली जाएगी।

ओम बिरला लगातार दूसरी बार बने लोकसभा स्पीकर

● पहले भाषण में इमरजेंसी का किया जिक्र, राहुल बोले-आशा है, विपक्ष की आवाज नहीं दबेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा के अध्यक्ष चुने गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके नाम का प्रस्ताव इस पद के लिए रखा। एनडीए में शामिल सभी घटक दलों ने उनके नाम का समर्थन किया। इसके बाद ध्वनिमत से उन्हें इस पद के लिए चुन लिया गया है। आपको बता दें कि शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कांग्रेस सांसद के. सुरेश को लोकसभा अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित करने के लिए प्रस्ताव पेश किया। 18वीं लोकसभा के अध्यक्ष चुने जाने के बाद भाजपा सांसद ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी उनके साथ आसन तक पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि मेरा सौभाग्य है कि फिर एक बार लोकसभा के स्पीकर बने हैं। उन्होंने कहा, यह सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार इस आसन पर विराजमान हो रहे हैं।

स्पीकर बनते ही बिरला ने की इमरजेंसी की निंदा

● सदन में नारेबाजी, विपक्ष का आरोप- आप भाजपा का एजेंडा चला रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पीकर चुने जाने के बाद ओम बिरला ने सदन में इमरजेंसी की निंदा की। उन्होंने कहा- इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाकर अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान का अपमान किया था। स्पीकर के प्रस्ताव

रखते ही पक्ष और विपक्ष के सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। स्पीकर ओम बिरला इमरजेंसी के दौरान जान गंवाने वालों की याद में दो मिनट का मौन रखने को कहा। सत्ता पक्ष के सांसदों ने मौन रखा, लेकिन कांग्रेस और विपक्ष के सांसद हंगामा करते रहे। कांग्रेस सांसदों का आरोप था कि स्पीकर भाजपा का एजेंडा चला रहे हैं। मौन के बाद स्पीकर ने गुरुवार तक के लिए संसद को स्थगित कर दिया। अब कल (गुरुवार को) संसद में राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा।

'जय फिलिस्तीन' का नारा ओवैसी को पड़ेगा भारी!

● राष्ट्रपति को कर दी गई शिकायत

सांसदी पर खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वीं लोकसभा की शुरुआत हो चुकी है, उम्मीद के मुताबिक थोड़ा बवाल भी देखने को मिला है। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने जब संसद में शपथ ली, उनकी तरफ से

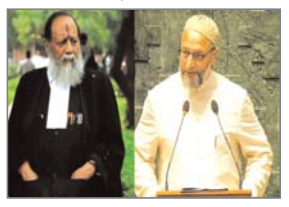

'जय फिलिस्तीन' का नारा लगा दिया गया। उस नारे की वजह से काफी विवाद बढ़ चुका है, कहा जा रहा है कि उन्होंने देश की संसद में एक विदेशी समस्या के प्रति अपना समर्थन जारी किया है। इसे नियम के विरोध भी बताया गया है। अब इसी कड़ी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास शिकायत पहुंच गई है, यह कंप्लेन विष्णु शंकर ने की है।

राहुल गांधी को सुल्तानपुर कोर्ट में पेश होने का आदेश

सुल्तानपुर (एजेंसी)। सुल्तानपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को अमित शाह हेट स्पीच केस में 2 जुलाई को पेश होने का आदेश दिया है। बुधवार को सुनवाई के दौरान जज ने राहुल के वकील से पूछा कि वह कहां हैं। वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि लोकसभा में स्पीकर पद का चुनाव है। इसलिए वह कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। कोर्ट ने राहुल को 2 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने का आदेश दिया है। 8 मई 2018 को बेंगलुरु में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमित शाह को हत्या का आरोपी कहा था। इसी के खिलाफ सुल्तानपुर के भाजपा नेता ने मानहानि का केस दर्ज कराया था। इससे पहले इसी साल राहुल गांधी 20 फरवरी को कोर्ट में पेश हुए थे। केस 5 साल से चल रहा है। दिसंबर 2023 में एमपी/एमएलए कोर्ट के तत्कालीन जज ने राहुल गांधी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। राहुल ने 20 फरवरी 2024 को सुल्तानपुर कोर्ट पहुंचकर सरेंडर किया था। कोर्ट ने उन्हें 25-25 हजार के दो बॉन्ड पर जमानत दी थी।

● अमित शाह को हत्या का आरोपी कह बुरे फंसे कांग्रेस नेता

● मानहानि केस में 2 जुलाई को बुलाया, 5 साल पुराना है मामला

केरल में सीपीएम ने मुस्लिम लीग के विरोध में खोला मोर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में हुए लोकसभा चुनावों में केरल की सत्ताधारी पार्टी लेफ्ट की करारी हार हुई थी। दूसरी ऐसे में अब एलडीएफ की लीडरशिप वाली लेफ्ट सरकार ने यडीएफ की घटक दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस की सहयोगी पार्टी राज्य में दक्षिणपंथी मुस्लिम संगठनों का चेहरा बन गई है। लोकसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन की समीक्षा के दौरान लेफ्ट ने दावा किया कि प्रतिबंधित संगठन

हार के बाद मुखर हुई पार्टी, सांप्रदायिक बताकर लगाए गंभीर आरोप

की राजनीतिक शाखा एसडीपीआई, पीएफआई और जमात-ए-इस्लामी ने यूडीएफ की जीत सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस और आईयूएमएल के साथ मिलकर कांग्रेस को समर्थन दिया था, जिसका खामियाजा लेफ्ट को भुगतना पड़ा है। एलडीएफ गठबंधन का नेतृत्व करने वाली सीपीआई(एम) ने इसके खिलाफ अपना कड़ा रुख अपनाया था। सीएए को एलडीएफ ने चुनाव का मुख्य मुद्दा बनाया था, जिसका उद्देश्य मुस्लिम मतदाताओं को लुभाना भी था। हालांकि इससे पार्टी को चुनावी लाभ नहीं मिला, जो राज्य की 20 में से यूडीएफ की 18 सीटें हार गई है और एक ही सीट जीत पाई। इसके अलावा एक त्रिशूर की सीट बीजेपी के सुरेश गोपी जीत गए। आईएमयूएल के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए सीपीएम (एम) ए विजयराघवन ने सोमवार को मलप्पुरम में कहा कि मुस्लिम लीग की सांप्रदायिक ताकतों से हाथ मिलाने के लिए आलोचना की जा रही है। आईयूएमएल का दृष्टिकोण जमात-ए-इस्लामी जैसा ही है।

जमू-कश्मीर के डोडा में सेना का ऑपरेशन, एक आतंकी ढेर

11-12 जून को लगातार दो हमलों में 7 सुरक्षाबल घायल हुए थे, तभी से जारी थी सर्चिंग

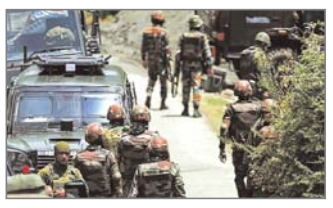

डोडा (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के गंडोह इलाके में बुधवार को सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया। सुबह 2-3 आतंकियों के इलाके में छिपे होने की सूचना के बाद से पुलिस और सेना का सर्च ऑपरेशन जारी था, जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 11 और 12 जून को डोडा में दोहरा आतंकवादी हमला हुआ था। इसके बाद से सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस गहन सर्च ऑपरेशन चला रहा है। आज सुबह 2-3 आतंकियों के सिनू पंचायत के गांव में छिपे होने की सूचना मिली थी। इसी दौरान ढोक (मिट्टी से बना घर) से आतंकियों ने टीम पर गोलीबारी की। अधिकारी ने आगे बताया सुबह 9.50 बजे एनकाउंटर शुरू हुआ है। एक आतंकी ने घर से बाहर निकलकर हमला किया।

कर्नाटक में तीन और डिप्टी सीएम चाहते हैं सीएम सिद्धा!

डीके शिवकुमार की बढ़ेगी टेंशन, पार्टी भी है हैरान

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में तीन और डिप्टी सीएम बनाए जाने की मांग उठ रही है। फिलहाल राज्य के सीएम एम. सिद्धारमैया हैं और उनके साथ डिप्टी सीएम

के तौर पर डीके शिवकुमार काम कर रहे हैं। इस बीच मांग उठ रही है कि राज्य में तीन और उपमुख्यमंत्री बनने चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस पर बुधवार को जवाब दिया और कहा कि तीन और उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग पर कांग्रेस आलाकमान का फैसला अंतिम होगा। दरअसल राज्य के कुछ मंत्री वीरशैव-लिंगायत, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं को उपमुख्यमंत्री पद दिए जाने की वकालत कर रहे हैं।

वर्तमान में डीके शिवकुमार उपमुख्यमंत्री हैं और वोक्कालिगा समुदाय से हैं। एक प्रश्न के उत्तर में सिद्धरमैया ने मीडिया से कहा, 'आलाकमान जो भी फैसला लेता है, वह अंतिम है।' कांग्रेस के भीतर एक वर्ग का मानना है कि तीन और उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग संबंधी मंत्रियों के बयान सिद्धरमैया खेमे की (खास) योजना का हिस्सा है और उसका मकसद शिवकुमार को काबू में रखना है। ऐसी चर्चा है कि शिवकुमार सरकार के ढाई साल के कार्यकाल के बाद मुख्यमंत्री पद की मांग कर सकते हैं।

यूएन में पाकिस्तान को फिर पड़ी भारत से फटकार

कश्मीर राग अलापने पर मिल गया मुंहतोड़ जवाब

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की तरफ से बार-बार कश्मीर का मुद्दा उठाना जारी है। वहीं, भारत भी हार बार संयुक्त राष्ट्र यानी यूएन के मंच पर पड़ोसी मुल्क को मुंहतोड़ जवाब देता रहा है। भारत का कहना है कि यूएन के मंच पर पाकिस्तान

की तरफ से झूठ फैलाया जाना हैरानी की बात नहीं है। इससे पहले भी भारत ने कश्मीर का जिक्र करने पर पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की है। पाकिस्तान की ओर से संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का जिक्र किए जाने के बाद भारत ने निराधार और मिथ्या बयानों के लिए पड़ोसी देश की आलोचना की है।

'मैंने मनीष सिसोदिया पर कोई दोष नहीं मढ़ा'

केजरीवाल ने कोर्ट में सीबीआई के दावों का किया खंडन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति घोटाले में सीबीआई ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही कोर्ट में दिल्ली शराब नीति और केजरीवाल की भूमिका को लेकर कई दावे किए। सीबीआई के इन दावों को केजरीवाल ने खंडन किया है। अरविंद केजरीवाल ने कोर्ट को बताया कि सीबीआई सूत्रों के जरिए मीडिया में यह फैलाया जा रहा है कि मैंने बयान दिया है कि मैंने अपना सारा दोष मनीष सिसोदिया पर डाल दिया है। केजरीवाल ने कहा कि मैंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है कि मनीष सिसोदिया दोषी हैं। मैंने कहा था कि वो निर्दोष हैं और मैं भी निर्दोष हूं। इनका मकसद ही है मीडिया में हमें बदनाम करना है। यह सब रिकॉर्ड किया जाना चाहिए ताकि सीबीआई सूत्रों के जरिए यह सब मीडिया में लीक न हो जाए। सीबीआई के दावों पर दिल्ली सीएम ने कहा कि इन्होंने सिर्फ मंशा के बारे में पूछा था। मैंने कहा था कि शराब नीति रेवन्यू बढ़ाने को लेकर शुरू की गई थी। शराब के ठेकों पर

लंबी-लंबी लाइनें होती थीं। मैंने सिसोदिया को बुलाकर निर्देश दिए थे। इसके बाद इन्होंने पूछा कि शराब के ठेकों के निजीकरण का किसी का आइडिया था। मैंने कहा कि मेरा आइडिया नहीं था।

कांग्रेस को पसंद नहीं आया इमरजेंसी के खिलाफ बीजेपी का प्रदर्शन

कार्ति चिंदबरम बोले-रियर व्यू मिरर देखकर कार चलाना बंद करे भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा परिसर में बीजेपी और उसके सहयोगी दलों ने आपातकाल की 50वीं बरसी पर नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। इससे पहले स्पीकर ओम बिरला ने भी अपने संबोधन में इमरजेंसी का जिक्र किया और कहा कि देश के संविधान को किनारे कर इंदिरा गांधी सरकार द्वारा आपातकाल लगाया जाना गलत था। एनडीए प्रदर्शन पर कांग्रेस नेता कार्ति चिंदबरम ने कहा कि बीजेपी को रियर व्यू मिरर देखकर कार चलाना बंद करना चाहिए। बीजेपी ने देशभर में आपातकाल की बरसी पर विरोध का ऐलान किया है। एनडीए सांसद लोकसभा के बाहर जमा हुए और आपातकाल के खिलाफ नारेबाजी की, इस पर कांग्रेस की ओर से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेस सांसद कार्ति चिंदबरम ने कहा, 1975 से अब तक गंगा में बहुत पानी बह चुका है। इंदिरा गांधी ने इस आपातकाल पर खेद जताया था। 1977 के चुनाव में वे हार गई थीं। भाजपा को अब पीछे की ओर देखकर कार चलाना बंद कर देना चाहिए। कार्ति चिंदबरम ने आगे कहा, यह काफी आश्चर्यजनक है कि सत्ता पक्ष क्यों विरोध कर रहा है। अगर वे विरोध करना चाहते हैं तो वे विपक्ष में आ सकते हैं और हमें अवसर दे सकते हैं, हम खुशी-खुशी इसे स्वीकार करेंगे। यह नया कार्यकाल शुरू करने का तरीका नहीं है। आपातकाल का मुद्दा खत्म हो चुका है। हमें आज संस्थाओं का गला घोंटने के बारे में बात करनी चाहिए। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि पूरा देश आज विरोध कर रहा है। सिर्फ बीजेपी सांसद इसका विरोध नहीं कर रहा है। पात्रा ने कहा,यह दिन भारत के लोगों के मन में एक महत्वपूर्ण दिन है। आज से 49 साल पहले इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया था। करीब डेढ़ लाख लोगों को जेल में डाल दिया गया था। भारत के संविधान में 42वां संशोधन लाया गया था। संविधान बचाने की बात करने वाले राहुल गांधी को आईना दिखाना जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने नवनिर्वाचित लोकसभा अध्यक्ष को दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने राजस्थान के वरिष्ठ सांसद श्री ओम बिरला को दूसरीबार लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की है। मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि श्री ओम बिरला वरिष्ठ राजनीतिज्ञ एवं वरिष्ठ सांसद है। उनके दीर्घकालीन संसदीय ज्ञान का लाभ संसद में प्रथम बार निर्वाचित होने वाले सदस्यों को भी मिलेगा। मंत्री श्री शुक्ला ने आशा की श्री बिरला का लोकसभा अध्यक्ष के रूप में दूसरा कार्यकाल संसदीय इतिहास में एक आदर्श स्थापित कर कीर्तिमान बनाएगा।

नशामुक्त, स्वच्छ, सुरक्षित एवं समृद्ध समाज के निर्माण में सहभागी बने

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि नशा व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से अवनति की ओर ले जाता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर नशा मुक्त स्वच्छ, सुरक्षित व समृद्ध समाज के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल नशामुक्ति के लिए समाज को जागरूक करने का कार्य करते रहे हैं। विंध्य क्षेत्र में युवाओं में नशीले पदार्थ की लत के प्रति चिंतित होकर हॉल ही में उन्होंने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। उन्होंने श्री आदित्यनाथ से उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों से मध्यप्रदेश एवं मुख्यत: विंध्य क्षेत्र के जिलों में विक्रय हो रहे मादक पदार्थ (कोडिन फॉस्फेट (कोरेक्स) जिससे युवाओं में नशे की लत बढ़ रही है,) की रोकथाम एवं ऐसा करने वालों पर एनडीपीएस ऐक्ट के तहत सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

इंदौर शहर के लिए 111 करोड़ रुपए की राशि जारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुसार एवं नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय के निर्देश पर इंदौर नगर को पेयजल प्रदाय और ठोस व अपशिष्ट प्रबंधन सहित अन्य विकास कार्यों के लिए 111 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त श्री भरत यादव ने बताया कि 15 वें वित्त आयोग की अनुशंसा पर मिलियन प्लस सिटी के रूप में इंदौर को यह राशि जारी की गई है, इससे इंदौर शहर में विकास के विभिन्न कार्य किए जाएंगे।

24×7 फोन पर उपलब्ध रहे बिजली कार्मिक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा निरंतर विद्युत आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था के लिये कंपनी कार्यक्षेत्र के 16 जिलों के बिजली कार्मिकों को 24×7 दिवस अपने फोन चालू रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। गौरतलब है कि बारिश, आँधी, तूफान आदि के कारण विद्युत लाइनों में खराबी आने के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित होने की संभावना होती है। इस दौरान आई खराबी एवं विद्युत लाइनों को दुरूस्त करने में काफी समय लग जाता है, जिसके कारण उपभोक्ताओं को निरंतर विद्युत आपूर्ति किए जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इस दौरान उपभोक्ता शिकायतों की संख्या बढ़ने एवं उपभोक्ता असंतोष की स्थिति से निपटने के लिए मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने कार्यक्षेत्र के 16 जिलों के मैदानी अमले के साथ विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था से जुड़े नियमित/संविदा/सेवाप्रदाता कार्मिकों को 24ङ्क7 दिवस एवं अवकाश के दौरान भी अपना मोबाइल फोन चालू रखने के निर्देश जारी किए गये हैं। कंपनी ने बताया है कि किसी भी अधिकारी कर्मचारी का मोबाइल यदि विशेष कारणों से बंद भी होता है तो वे अन्य संपर्क सूत्र से अपने नियन्त्रणकर्ता अधिकारी को अवगत करायेंगे। नियन्त्रणकर्ता अधिकारी की अनुमति के बिना कोई भी कार्मिक मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। कंपनी ने कहा है कि यदि कोई भी कर्मचारी निर्देशों का पालन नहीं करता है तो उसके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

डाक सेवा एमपी मंडल के ट्रांजिट मेल कार्यालय में पार्सल पैकेजिंग यूनिट आरम्भ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारतीय डाक विभाग द्वारा अपने उपभोक्ताओं की पार्सल पैकेजिंग सम्बन्धी कठिनाइयों को दूर करने के लिये भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक । पर स्थित रेल डाक सेवा एमपी मंडल भोपाल के ट्रांजिट मेल कार्यालय में पार्सल पैकेजिंग यूनिट आरम्भ की गई है, जिसके अंतर्गत न्यूनतम दरों पर 10 किलोग्राम तक के अलग - अलग वजन वाले पार्सल को अच्छी क्वालिटी के प्लास्टिक फ्लायर से एवं 2 से 10 किलो के पार्सल को कार्टन बॉक्स में पैक करके दिय जाएगा। इसके लिये उपभोक्ताओं से पार्सल के वजन के अनुसार 5 रुपये से 79 रुपये तक का शुल्क लिया जाएगा। यह सेवा प्रात: 6ञ्00 बजे से दोपहर 13ञ्00 बजे तक एवं दोपहर 14ञ्00 बजे से रात्रि 20ञ्30 बजे तक उपलब्ध रहेगी ।

आगामी पशु गणना हेतु भारत सरकार द्वारा मोबाइल एप लॉन्च

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने आज विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 21वीं पशुधन गणना की तैयारी के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को रणनीति बनाने और सशक्त करने के लिए कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल और श्री जॉर्ज कुरियन भी मौजूद थे। कार्यशाला में केंद्रीय मंत्री ने 21वीं पशुधन डेटा संग्रह के लिए विकसित मोबाइल एप्लीकेशन का भी शुभारंभ किया। केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के लिए पशुधन क्षेत्र का महत्व बताया। उन्होंने पशुधन गणना की सावधानीपूर्वक योजना बनाने और उसे लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एकत्र किया गया डाटा, भविष्य की पहलों को आकार देने और क्षेत्र में चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य सितंबर-दिसंबर 2024 के दौरान निर्धारित आगामी

पशुधन गणना के लिए एक समन्वित और कुशल दृष्टिकोण सुनिश्चित करना है। गणना के आंकड़े सतत विकास लक्ष्यों के राष्ट्रीय संकेतक ढांचे में योगदान देंगे, जिससे व्यापक राष्ट्रीय और वैश्विक स्थिरता लक्ष्यों के साथ तालमेल किया जा सकेगा। पशुपालन एवं डेयरी विभाग की सचिव सुश्री अलका उपाध्याय ने अपने संबोधन में इस कार्यशाला के महत्व बताते हुए कहा कि यह विभाग सटीक और कुशल डेटा संग्रह के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने 21 वीं पशुधन गणना की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों की सामूहिक जिम्मेदारी पर बल दिया और कहा कि यह पशुपालन क्षेत्र की भविष्य की नीतियों और कार्यक्रमों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने गणना की सफलता सुनिश्चित करने के लिए नवीनतम तकनीकों का लाभ उठाने का आग्रह किया। कार्यशाला में 21 वीं पशुधन गणना के लिए कार्यप्रणाली और दिशा-निर्देशों पर विस्तृत सत्र, मोबाइल एप्लिकेशन और डैशबोर्ड सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षण और प्रश्नों और चिंताओं के समाधान के लिए एक खुली चर्चा शामिल थी। मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने 21वीं पशुधन गणना की तैयारी के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को रणनीति बनाने और सशक्त करने के लिए एक व्यापक कार्यशाला आयोजित की।

कार्यशाला में कई सत्र आयोजित किए गए। इस दौरान पशुपालन सांख्यिकी प्रभाग ने 21वीं पशुधन गणना का संक्षिप्त विवरण दिया और बाद में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (एनबीएजीआर) द्वारा गणना में शामिल की जाने वाली प्रजातियों के नस्ल विवरण पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। सटीक नस्ल पहचान के महत्व पर जोर दिया गया।

मंत्री काश्यप ने किया स्कूल शिक्षा मंत्री का स्वागत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। रतलाम के सीएम राइज विनोबा हायर सेकेंडरी स्कूल का चयन विश्व के सर्वश्रेष्ठ दस स्कूलों में होने पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप ने मंगलवार को मंत्रालय वल्लभ भवन में स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह को बधाई दी और गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इस महती उपलब्धि की जानकारी देते हुए श्री काश्यप ने स्कूल शिक्षा मंत्री को बताया कि विश्व के प्रतिष्ठित इस पुरस्कार के लिये विनोबा हायर सेकेंडरी स्कूल का चयन नवाचार (इनोवेशन केटेगरी) श्रेणी में हुआ है। चयन से पूर्व अंतर्राष्ट्रीय शिक्षाविदों ने नवाचार के क्षेत्र में स्कूल में किये जा रहे कार्यों पर उप प्राचार्य श्री गजेन्द्र सिंह राठौर का ऑनलाइन इंटरव्यू भी लिया। मंत्री श्री काश्यप ने बताया कि इस स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिये पिछले दो वर्षों से कई तरह के नवाचार हो रहे हैं। टीचर्स प्रोफेशनल डेवलपमेंट के अंतर्गत साइकल ऑफ ग्रोथ के माध्यम से शिक्षकों को बदलाव के वाहक

के रूप में लाया गया। स्कूल लीडर्स के मार्गदर्शन में ज्वॉयफुल लर्निंग द्वारा विद्यार्थियों और पालकों को जोड़ा गया। परिणाम यह हुआ कि स्कूल के 577 में से 545 विद्यार्थी किसी न किसी रूप में कई गतिविधियों से वर्ष भर जुड़े रहते हैं। स्कूल में टीचिंग-लर्निंग मटेरियल, प्रिंट रिच, स्टूडेंट डायरी, टीचर्स डायरी, हूक बैंक, मार्निंग मीटिंग, सर्कल टाइम, एकेडमिक संवाद और बिहेवियर मैनेजमेंट जैसे कई उपक्रम किये जाते हैं।

आगामी बजट में सभी परियोजनाओं के लिए आवश्यकता अनुसार प्रावधान किया जाए-मंत्री सिलावट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने निर्देश दिए हैं कि आगामी विभागीय बजट वर्ष 2024-25 में विभाग की सभी परियोजनाओं के लिए आवश्यकता अनुसार बजट प्रावधान किया जाए, जिससे निर्माणाधीन सभी परियोजनाएं समय से पूर्ण हो सकें और जनता को इनका समय पर पूरा लाभ मिल सके। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट आज मंत्रालय में आगामी बजट के संबंध में विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग उपस्थित थे। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज

अनुसूचित जाति कल्याण, वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान से मंत्रालय स्थित अपने कक्ष में भेंट की। उन्होंने मंत्री श्री चौहान से लंबित सिंचाई परियोजनाओं की वन एवं पर्यावरण स्वीकृति शीघ्र प्रदान किए जाने का अनुरोध किया, जिससे परियोजनाएं समय सीमा में पूर्ण हो सकें। उन्होंने नेहरू स्मृति वन, रालामंडल एवं रतनतलाई में वृक्षारोपण के संबंध में भी चर्चा की। बैठक में अपर मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण श्री जे.एन. कंसोटिया एवं प्रमुख अभियंता जल संसाधन उपस्थित थे।

समानता पर आधारित कृषि और ग्रामीण विकास के संवर्धन की दिशा में नाबार्ड काम करे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि ग्रामीण समृद्धि के लिये राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) काम करे। समानता पर आधारित कृषि और ग्रामीण विकास के संवर्धन की दिशा में नाबार्ड आवश्यक कदम उठाये। मंत्री श्री सारंग मंत्रालय में नाबार्ड की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में प्रमुख सचिव सहकारिता श्रीमती दीपाली रस्तोगी उपस्थित थीं। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नाबार्ड और अपेक्स बैंक से समन्वय स्थापित करने के लिये एक अधिकारी को नियुक्त किया जाये। उन्होंने कहा कि यह अधिकारी आपसी सामंजस्य बनाकर दोनों एक-दूसरे के सहयोग से आगे बढ़ने को गति

लाने का कार्य करें। नाबार्ड की योजनाओं का सभी को लाभ मिले, ऐसा प्रयास हो। श्री सारंग ने अधिकारियों को आवश्यक ट्रेनिंग मॉड्यूल पर भी काम करने के निर्देश दिये। उन्होंने अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज में आवश्यक ट्रेनर्स उपलब्ध कराने को भी कहा। मंत्री श्री सारंग ने बिजनेस पर एम्पलाई के नॉम्स एवं पैरामीटर पर काम करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि हर सेक्टर में जरूरत के हिसाब से कितने लोगों की आवश्यकता है, यह भी प्लॉन किया जाना चाहिये। उन्होंने ग्रामीण सेक्टर में विकास के लिये सेल्फ हेल्प ग्रुप्स के साथ बैठक करने के निर्देश दिये। मंत्री श्री सारंग ने नाबार्ड के साथ हर माह एक बैठक करने के निर्देश दिये। उन्होंने नवाचार की दिशा में काम करने को कहा। उन्होंने कम्प्यूटराइजेशन और सॉफ्टवेयर डेव्हलपमेंट की दिशा में भी काम करने को कहा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि कृषि और ग्रामीण विकास के लिये संस्थागत ऋण की व्यवस्थाओं के लिये नाबार्ड आवश्यक सहयोग करे, जिससे सहभागिता, संधारणीयता और समानता पर आधारित वित्तीय और गैर-वित्तीय सहयोग, प्रौद्योगिकी और संस्थागत विकास के माध्यम से समृद्धि लाने के लिये कृषि और ग्रामीण विकास का संवर्धन हो सके। बैठक में ग्रांट्स, रिफायनेंस, डिस्बर्स्ड पर भी चर्चा की गयी। नाबार्ड से आवश्यक सहयोग लेकर आगे बढ़ने की दिशा में कार्य करने को कहा गया।

विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विमानन संबंधित रोजगार पाठ्यक्रम शुरू किए जायेंगे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विमानन संबंधित विविध रोजगारपरक नवीन संकाय एवं पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जायेंगे। इसके अनुसार देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर और विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में (पूर्व में सीपीएल से संचालित संस्थान से अनुबंध के उपरांत) 4 वर्षीय बीएससी (एविएशन एवं सीपीएल) डिग्री कोर्स संचालित होगा। प्रदेश के समस्त 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में बीबीए टूरिज्म एवं होटल मैनेजमेंट डिग्री कोर्स शुरू किए जाने हैं, जिनमें से अभी 10 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में 4 वर्षीय बीबीए टूरिज्म एवं होटल मैनेजमेंट डिग्री कोर्स आरंभ होगा, जहां पर वर्तमान में भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा पूर्व से संचालित आईएचएम/फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट/एयरपोर्ट/निजी एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित होटल एवं टूरिज्म की अधिक संभावनाओं वाले जिलों में महाविद्यालय स्थित हैं। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर में 4 वर्षीय बीएससी (एविएशन) कोर्स संचालित होगा। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में 4 वर्षीय बीबीए (एविएशन मैनेजमेंट) कोर्स शुरू होगा। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में 1 वर्ष और 6 माह (प्रायोगिक) समयावधि के एविएशन सिक्योरिटी और एयरपोर्ट ऑपरेशंस कोर्सेज संचालित होंगे।

भूमि की सेहत बताएगा पोर्टल, स्वाइल हेल्थ कार्ड का नंबर डालने पर मिलेगी पूरी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कृषि भूमि खरीदने या किराए से लेकर खेती करने से पहले कोई भी व्यक्ति उसकी सेहत अब आसानी से जान सकेगा। इसके लिए उसे अलग से जांच नहीं करानी होगी। कृषि विभाग के पोर्टल पर सभी किसानों के स्वाइल हेल्थ कार्ड का विवरण रहेगा। इससे यह पता चल जाएगा कि भूमि में कौन से पोषक तत्व उपलब्ध हैं और किसकी कमी है। साथ ही यह सलाह भी मिलेगी कि कौन सी फसल उस भूमि के लिए उपयुक्त है। कौन सी और कितनी मात्रा में खाद डाली जाए ताकि उत्पादक बढ़ जाए। प्रदेश में छोटे किसान बड़ी संख्या में अपनी भूमि खेती के लिए किराए पर देते हैं। किसान सामान्य तौर पर आसपास के

खेतों की स्थिति देखकर अंदाजा लगाकर न केवल खाद का उपयोग करता है बल्कि फसल भी वहीं लेता है। इसमें किसान को उत्पादन वैसा नहीं मिल पाता, जैसा मिल सकता है। इसके लिए केंद्र सरकार ने स्वाइल हेल्थ कार्ड कार्यक्रम लागू किया। इसका उद्देश्य यह था कि मृदा परीक्षण कर किसान को यह बता दिया जाए कि उसकी भूमि में किस तत्व की क्या स्थिति है और उसके आधार पर यह सुझाव भी दिया जाए कि वह कौन सी फसल की बोवनी करे, जिसे उसे लाभ हो। मध्य प्रदेश को केंद्र सरकार ने छह लाख 31 हजार 437 स्वाइल हेल्थ कार्ड बनाने का लक्ष्य दिया था। इसके विरुद्ध अब तक 11 लाख 89 हजार 505 कार्ड बन चुके हैं। इन सभी की जानकारी अब केंद्र सरकार के पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। कार्ड का नंबर डालने पर भूमि की सेहत का पूरा विवरण सामने आ जाएगा। इसका लाभ किसान, भूमि के खरीदार और किराएदार को भी होगा। मृदा परीक्षण कराने के लिए किसानों को सुविधा देने प्रदेश के सभी विकासखंडों में प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। भवन बन चुके हैं और उपकरण भी आ गए हैं। इनका संचालन कौन करेगा और शुल्क क्या रहेगा, इसका निर्णय नहीं हो पाया था। कैबिनेट ने अब तय कर दिया है कि 300 रुपये लेकर मिट्टी के नमूनों की जांच की जाएगी। प्रयोगशाला का संचालन कृषि स्नातक या सहकारी समितियों के माध्यम से कराया जाएगा। अपर मुख्य सचिव कृषि अशोक बर्णवाल का कहना है कि उन किसानों को तो अवश्य मृदा परीक्षण कराना चाहिए।

नर्सिंग घोटाले पर सरकार को घेरने का स्थगन प्रस्ताव लाएगी कांग्रेस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। 1 जुलाई से प्रारंभ होने वाले विधानसभा के मानसून सत्र में सरकार को घेरने के लिए कांग्रेस नर्सिंग घोटाले को जोर-शोर से उठाएगी। स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से इस विषय पर चर्चा कराने की मांग पहले ही दिन कार्य मंत्रणा समिति में रखी जाएगी। सदन में उठाए जाने वाले मुद्दों को अंतिम रूप 30 जून को होने वाली विधायक दल की बैठक में दिया जाएगा। लोकसभा चुनाव के बाद हो रहे विधानसभा के इस पहले सत्र में सरकार को घेरने के लिए कांग्रेस के सभी विधायकों ने अलग-अलग माध्यमों से प्रश्न लगाए हैं। विधानसभा सचिवालय को 19 दिवसीय सत्र के लिए 4500 से अधिक प्रश्न मिल चुके हैं।

पार्टी विधायकों ने महिला, अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग पर हुए अत्याचार की घटनाओं को लेकर प्रश्न अधिकतर प्रश्न पूछे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का कहना है कि भाजपा ने जनता से वादाखिलाफी की है। विधानसभा चुनाव में युवा, महिला, किसान समेत अन्य वर्गों से जो वादे किए गए थे, वे एक भी पूरे नहीं किए हैं और उस दिशा में कदम भी नहीं बढ़ाया। किसानों को न ता गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 रुपये प्रति क्विंटल लिया और न ही धान के 3,100 रुपये। लाड़ली बहना को 3000 रुपये प्रतिमाह देने का वादा किया था, लेकिन इसे भी पूरा नहीं किया। लाड़ली बहनों को आवास देने की बात हो या 60 प्रतिशत अंक पाने पर लैपटॉप देने की घोषणा, कोई भी पूरी नहीं हुई। इन सभी विषयों को विधानसभा में जोर शोर से उठाया जाएगा। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का कहना है कि 30 जून को विधायक दल की बैठक बुलाई है। इसमें तय किया जाएगा कि भाजपा सरकार की वादाखिलाफी, भ्रष्टाचार, नर्सिंग समेत अन्य घोटाले को सदन में किस मुद्दे को किस तरह उठाया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में निकली सायकल रैली, नशा मुक्त सीधी बनाने का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा जारी निर्देश के बाद पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में जिले भर में नुक्कड़ नाटक, चौपाल, बैनर पोस्टर लगाकर स्कूल कॉलेज मे जाकर लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया जा रहा है। जिस तारतम्य में 26जून 2024 को प्रात: सायकल रैली एवं जिले में विभिन्न सार्वजनिक स्थानो स्कूल कॉलेज में नशामुक्ति के संबंध में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मिली जानकारी के आधार पर नशामुक्ति अभियान के तारतम्य में बुधवार प्रात: 06:00 बजे पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविन्द्र वर्मा के नेतृत्व में जिला मुख्यालय में सायकल रैली का आयोजन किया गया। रैली मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव, रक्षित निरीक्षक विरेन्द्र कुमरे, टी आई कोतवाली अभिषेक उपाध्याय थाना कोतवाली एवं थाना जमोड़ी, यातायात, पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं रक्षित केंद्र का बल शामिल हुआ। रैली पुलिस परेड ग्राउंड से प्रारम्भ होकर पुलिस कंट्रोल रूम होते हुए सर्किट हाउस, कलेक्ट्रेट तिराहा, अस्पताल चौक, सम्राट चौक होते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय होते हुए वापस पुलिस परेड ग्राउंड सीधी पहुंची। रैली मे तख्तीयों एवं बैनर के माध्यम से लोगो को नशे का दुष्परिणाम बताते हुए नशा मुक्त होने के लिए अपील की गई। इसके साथ थाना क्षेत्रों में अलग अलग नशामुक्ति अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

थाना प्रभारी रामपुर नैकिन सुधाशु तिवारी के नेतृत्व में रामपुर नैकिन पुलिस द्वारा थाना अंतर्गत रामपुर बाजार एवं ग्राम हत्था में चौपाल लगाकर नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया जाकर उपस्थित लोगो को नशे से दूर रहने की सपथ दिलाई गई। थाना प्रभारी अमिलिया राकेश बैस के नेतृत्व में शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बमुरी में उपस्थित छात्र छात्राओं एवं शिक्षको को नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया गया। थाना प्रभारी मझौली दीपक बघेल के नेतृत्व में मझौली महाविद्यालय में, अनुविभागीय अधिकारी कुसमी के उपस्थिति मे छात्र छात्राओं एवं प्राध्यापको तथा ग्राम छवारी एवं छूही में चौपाल लगाकर वहा उपस्थित लोगो को नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया जाकर नशे से दूर रहने की सपथ दिलाई गई।

उप निरीक्षक शेषमणि मिश्रा चौकी प्रभारी सिहावल थाना अमिलिया के नेतृत्व में सिहावल बाजार में चौपाल लगाकर नशे से होने वाले नुकसान एवं नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया जाकर नशामुक्ति हेतु सपथ दिलाई गई। उप निरीक्षक डीडी सिंह के नेतृत्व में यातायात थाना पुलिस द्वारा शहर के विभिन्न चौराहो एवं बाजार मे नशामुक्ति एवं यातायात नियमो के बारे मे बैनर पोस्टर के माध्यम से जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में शामिल हुये छात्रछात्राओं एवं उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए नशे के कारण होने वाले नुकसान के बारे मे बताया गया। गौरतलब है कि नशीले पदार्थों का समाज में तेजी से चलन बढ़ रहा है। जिसकी चपेट में नवयुवक आ रहे हैं। युवाओं में विशेष कर स्कूल कॉलेज के छात्र-छात्राओं में नशे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशा एक ऐसा पदार्थ है जिसके प्रयोग से मानव शरीर खोखला हो जाता है।

शरीर की ताकत नशे की भेंट चढ़ जाने के कारण विभिन्न बीमारी शरीर में घर कर सकती है। नशे की आदत एक बीमारी है। आने वाले पीढ़ी को नशे से दूर कर एक सुनहरा भारत बनाने के लिए सीधी पुलिस ने यह पहल की है। सीधी पुलिस ने अभियान का नाम दिया है कि सीधी ने अब ठाना है, नशामुक्त हो जाना है।

प्रधानमंत्री कॉलेज आफएक्सीलेंस बना संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन ने उच्च शिक्षा के गुणवत्ता में सुधार, दक्षता में वृद्धि लाने तथा छात्र-छात्राओं को सरलता से रोजगार उपलब्ध हो इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश के 55 महाविद्यालयों को प्रधानमंत्री कालेज आफएक्सीलेंस का दर्जा दिया है। प्रत्येक जिले के एक-एक महाविद्यालय को इसके लिए चुना गया है। सीधी जिले से यह उपलब्धि संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय को मिली है,जिसके उद्घाटन दीक्षारंभ कार्यक्रम की तैयारी चल रही है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी के सिंह ने जानकारी देकर बताया कि महाविद्यालय में कुछ नवीन पाठ्यक्रम भी संचालित होंगे जिनमें बायोटेक, मनोविज्ञान एवं कंप्यूटर साइंस इसी सत्र से स्नातक कक्षाओं में प्रारंभ हो रहा है, जबकि संस्कृत में स्नातकोत्तर की कक्षाएं इस वर्ष से संचालित होंगी, जिनके एडमिशन की प्रक्रिया चल रही है।

साथ ही बीकॉम में नया पाठ्यक्रम रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंट भी प्रारंभ हो चुका है। बी.एड.एवं कृषि में स्नातक भी प्रारंभ करना है जिसकी शुरुआत करने की प्रारंभिक कार्यवाही चल रही है जो जल्द ही प्रवेश के लिए पोर्टल पर प्रदर्शित होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं फिनटेक कोर्सेज से संबंधित डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किए जाएंगे। छात्र-छात्राओं की आवागमन की सुविधा के लिए 1 जुलाई से बस सेवा प्रारंभ की जावेगी जिसका प्रति दिवस का रूट निर्धारित होगा।

उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी का आउटलेट भी खुलेगा जिससे विद्यार्थियों को क्रय करने के लिए पुस्तक उपलब्ध होगी। साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगेगी और समय-समय पर संगोष्ठी का भी आयोजन किया जाएगा। स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना अंतर्गत डिस्प्ले के माध्यम से प्रत्येक महीने की गतिविधियों को प्रदर्शित किया जाएगा जिससे विद्यार्थियों को समय पर सभी गतिविधियों की जानकारी हो सके एवं छात्र-छात्राएं उसमें अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सके।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस मुख्यमंत्री जी का ड्रीम प्रोजेक्ट है जो मध्य प्रदेश को उच्च शिक्षा में शीर्ष पर ले जाएगा तथा जिसका लाभ छात्र-छात्राओं को मिलेगा। महाविद्यालय के शिक्षकों पर भी नए उत्तरदायित्वों के निर्वहन की जिम्मेदारी होगी और सभी के सहयोग से हम इस उद्देश्य को प्राप्त करेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी.के. सिंह ने इन सभी उत्तरदायित्व के निर्वहन के लिए प्राध्यापकों की समितियां भी बना दी हैं। शासन के निर्देशानुसार उद्घाटन के पूर्व महाविद्यालय में रंगाई/पुताई, साफ-सफाई एवं मुख्य गेट का निर्माण तथा महाविद्यालय को हरा भरा बनाने के लिए विद्या वन का निर्माण किया जाना है जो सभी कार्य पीडब्ल्यूडी के माध्यम से किये जा रहे हैं। 1 जुलाई के पूर्व सभी कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे।

प्राचार्य डॉ सिंह ने सभी नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं से आग्रह किया है कि 1 जुलाई को दीक्षारंभ कार्यक्रम में सभी आवश्यक रूप से महाविद्यालय में उपस्थित हों जिससे महाविद्यालय के शिक्षकों, सभी विभागों एवं इंफ्रास्ट्रक्चर से उनका परिचय हो सके।

रोजगार मेले में 51 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि 26 जून 2024 को जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय सीधी द्वारा एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन शासकीय आई.टी.आई. सीधी में किया गया जिसमें ऑनलाइन 104 एवं ऑफ्लाइन 41 कुल 145 युवक एवं युवतियों ने अपना पंजीयन कराया जिसमें से 51 आवेदकों का प्राथमिक चयन किया गया।

उन्होंने बताया कि प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा.लि.मि. रीवा में 19, प्रधानमंत्री कौशल विकास केन्द्र सीधी में 13, एस.आई.एस. सिक्युरिटी सर्विसेज सिंगरौली में 07 एवं निप्युन प्रा.लि.मि. औरंगाबाद में 12 युवक एवं युवतियों का चयन किया गया।

कांग्रेस सरकार ने देशवासियो का भरपूर किया दमन : डॉ राजेश मिश्रा

लोकसभा में आपातकाल एक काला अध्याय पर आया प्रस्ताव

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। आपातकाल की विभीषिका पर लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने अपनी त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ये सदन 1975 में देश में आपातकाल इमरजेंसी लगाने के निर्णय की कड़े शब्दों में निंदा करता है। इसके साथ ही हम, उन सभी लोगों की संकल्पशक्ति की सराहना करते हैं। जिन्होंने इमरजेंसी का पुरजोर विरोध किया, अभूतपूर्व संघर्ष किया और भारत के लोकतंत्र की रक्षा का दायित्व निभाया। सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने लोकसभा में परित आपातकाल के विषय में प्रस्ताव पर कहा कि भारत के इतिहास में 25 जून 1975 के उस दिन को हमेशा एक काले अध्याय के रूप में जाना जाएगा। इसी दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाई और बाबा साहब आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान पर प्रचंड प्रहार किया था।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे ने बताया कि नवनिर्वाचित सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा की भारत की पहचान पूरी दुनिया में लोकतंत्र की जननी के तौर पर है। भारत में हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों और वाद-संवाद का संवर्धन हुआ, हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा की गई, उन्हें हमेशा प्रोत्साहित किया गया। ऐसे भारत पर इंदिरा गांधी द्वारा तानाशाही थोप दी गई, भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचला गया, पूरे देश को जेलखाना बना दिया गया था। तब की तानाशाही सरकार ने मीडिया पर अनेक पाबंदियां लगा दी थीं और न्यायपालिका की स्वायत्तता पर भी अंकुश लगा दिया था। इमरजेंसी का वो समय हमारे देश के इतिहास में एक अन्याय काल था, एक काला कालखंड था। आपातकाल इमरजेंसी लगाने के बाद उस समय की कांग्रेस सरकार ने कई ऐसे निर्णय किए, जिन्होंने हमारे संविधान की भावना को कुचलने का काम किया।

नागरिकों के मौलिक अधिकारों का किया हनन: सांसद डा राजेश मिश्रा ने कहा कि ऐसा करके नागरिकों के अधिकारों का दमन किया गया और लोकतंत्र के सिद्धांतों पर आघात किया गया। इतना ही नहीं, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कमिटेड ब्यूरोक्रेसी और कमिटेड ज्यूडिशियरी की भी बात कही, जो कि उनकी लोकतंत्र विरोधी रवैये का एक उदाहरण है।

लाखों हिंदुओं की कराई गई नसबंदी: सांसद मिश्रा ने कहा कि इमरजेंसी अपने साथ ऐसी असामाजिक और तानाशाही की भावना से भरी भयंकर कुनीतियां लेकर आई, जिसने गरीबों, दलितों और वंचितों का जीवन तबाह कर दिया। इमरजेंसी के दौरान लोगों को कांग्रेस सरकार द्वारा जबरन थोपी गई अनिवार्य नसबंदी का शहरों में अतिक्रमण हटाने के नाम पर की गई मनमानी का और सरकार की कुनीतियों का प्रहार झेलना पड़ा। ये सदन उन सभी लोगों के प्रति संवेदना जताना चाहता है। सांसद ने कहा कि1975 से 1977 का वो काला कालखंड अपने आप में एक ऐसा कालखंड है, जो हमें संविधान के सिद्धांतों संघीय ढांचे और न्यायिक स्वतंत्रता के महत्व की याद दिलाता है। ये कालखंड हमें याद दिलाता है कि कैसे उस समय इन सभी पर हमला किया गया और क्यों इनकी रक्षा आवश्यक है। ऐसे समय में जब हम आपातकाल के 50वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं।

आबकारी ने 120 किलो महुआ लाहन एवम 10 लीटर शराब की जप्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। बुधवार को कलेक्टर के निर्देशन मे एवं जिला आबकारी अधिकारी सत्येन्द्र सिंह परिहार के मार्गदर्शन में अवैध शराब के संग्रहण एवं विक्रय करने वालों के विरूद्ध विधिक कार्रवाई की गयी। सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर आबकारी विभाग द्वारा जयसेन भुजवा के रिहायशी मकान से 15 किलो महुआ लाहन, गांव कुबरी में सुखलाल साकेत के रिहायसी मकान से 30 किलो महुआ लाहन, गांव कुबरी मे दशोमत जायसवाल के रिहायशी मकान से 75किलो महुआ लाहन व 10 लीटर हाथ भट्टी शराब बरामद कर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34/1 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया। की गई कार्यवाही में कुल 120 किलो महुआ लाहन एवम 10 लीटर अवैध हाथ भट्टी शराब बरामद किया गया, जिसकी कुल कीमत 13500 रुपए बताई जा रही है।

औचक निरीक्षण एवं छापामार कार्यवाही में वृत्त प्रभारी सीधी आबकारी उप निरीक्षक गोकुल प्रसाद मेघवाल, प्रधान आरक्षक श्यामबहादुर सिंह, आरक्षक गौरव उपाध्याय, कमाल नारायण मौर्य, संजय भारती, नगर सैनिक राजबली शर्मा, अशोक तिवारी, मानती देवी का सराहनीय योगदान रहा।

ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। भुईमाड़ थाना अंतर्गत धोरबंधा निवासी बबलू यादव पिता स्व.सीताराम यादव उम्र 30 वर्ष मंगलवार को ट्रैक्टर लेकर जुताई करने जा रहा था। जिस दौरान धोरबंधा स्कूल से आगे ट्रैक्टर बैक करते समय अनियंत्रित होकर पलट गया और लुढ़क कर बांध के समीप जा पहुंचा। इस दौरान वाहन चालक ट्रैक्टर के नीचे आ गया और घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। ग्रामींणो ने उक्त घटना की जानकारी पुलिस को दी। जहॉ पुलिस घटना स्थल पर पहुॅच कर साक्ष्य संकलन करते हुए शव का

पीएम कराया और अंतिम संस्कार हेतु शव परिजनो के सुपुर्द कर दिया गया।

महिला केन्द्रित विषयों पर 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीधी। भारत सरकार मंत्रालय महिला एवं बाल विकास द्वारा संकल्प.हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ वूमेन 21 जून 2024 से 04 अक्टूबर 2024 तक महिला केन्द्रित विषयों पर 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान आयोजित किये जाने के निर्देश दिये गये है। परियोजना अधिकारी बाल विकास परियोजना द्वारा विभिन्न विभागों से समन्वय कर विभिन्न शिविरों, पंजीयन अभियान, सार्वाजनिक बातचीत, कार्यशाला, सेमीनार जिला एवं ब्लॉक स्तर पर विशेष आऊटरीच साप्ताहिक गतिविधियों का आयोजन कैलेण्डर अनुसार किया जाना है।

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद सीधी/नगर पंचायत परिषद चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली को निर्देशित किया है कि उक्त अभियान में परियोजना अधिकारी बाल विकास परियोजना की आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। गतिविधियों की साप्ताहिक रिपोर्ट्स फोटोग्राफ्स सहित ईमेल बूकेपक/दपबण्पद पर प्रेषित करें जिसे संकल्प हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ वूमेन डैशबोर्ड पर अपलोड कराया जा सके। उन्होंने निर्देशित किया है कि संकल्प हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ वूमेन अंतर्गत महिला केन्द्रित विषयों पर 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान समय बद्ध एवं प्रभावी तरीके से आयोजित कराने में आवश्यक सहयोग प्रदान करना सुनिश्चित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक ने जिले में चलाया नशा मुक्त अभियान

6.60 लाख अवैध मादक प्रदार्थ किया जप्त, 3 मामले दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक डॉ. रविंद्र वर्मा के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में जिले भर में जन जागरूकता कार्यक्रम के साथ साथ अवैध मादक प्रदार्थो के परिवहन भण्डारण एवं विक्रय करने वालो एवं सार्वजनिक स्थलो पर इसके सेवन करने वालो के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत 3 अलग-अलग मामलो में कार्यवाही करते हुये 6 लाख 60 हजार रूपए कीमती 33.670 किग्रा. गांजा जप्त कर दो आरोपियों को किया गया गिरफ्तार।

मिली जानकारी के आधार पर चौकी प्रभारी बम्हनी सउनि नीरज साकेत को मुखबिर कि सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम चौफाल पवाई का मोतीलाल सिंह गोड उर्फबोरा अपने घर के पीछे खेत में हरे गांजा के पेड़ लगाकर रखे है, जो बेचने के फिराक में है। सूचना से चौकी प्रभारी बम्हनी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया जाकर उनके निर्देशानुसार स्वयं के नेतृत्व में मुखबीर के बताये स्थान पर कार्यवाही हेतु रवाना हुए। मौके से पहुँच कर संदेही से नाम पता पूछा गया जो अपना नाम मोतीलाल सिंह गोड उर्फ बोरा पिता सम्हन सिंह गोड उम्र 59 वर्ष ग्राम चौफाल पवाई का रहने वाला बताया। उसके बाद संदेही मोतीलाल सिंह के घर के पीछे खोजबीन की गई जो हल्दी वाले खेत के बीच में एवं खेत में अलग अलग स्थानों में गांजा के जैसे हरे पेड़ पाये गये जिनकी गिनती करवाई गई तो कुल 131 गांजा के हरे पेड पाये गये। सभी 131 नग गांजा के पेड इकठ्ठा कर वजन कराया गया जो कुल बजन 31 किलो 170 ग्राम कीमती 623400/रूपये का होना पाया गया। जिसे जिप्त किया जाकर आरोपी का उक्त कृत्य धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत दण्डनीय पाये जाने से अपराध कायम कर आरोपी उपरोक्त को गिरफ्तार किया जाकर वैधानिक कार्रवाई के उपरांत न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। उपरोक्त समस्त कार्यवाही में थाना प्रभारी चुरहट निरीक्षक पुष्पेंद्र मिश्रा, चौकी प्रभारी बम्हनी सउनि नीरज साकेत, राजेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक सूर्यभान सिंह, संजय अहिरवार, आरक्षक रजनीश द्विवेदी, सुशील कुमार सैनिक उमाशंकर, ग्राम रक्षा समिति के सदस्य राजेश द्विवेदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इसी क्रम मेकं चौकी प्रभारी पोंडी सहायक उप निरीक्षक जयनारायण श्रीवास्तव द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर कुसमी मेन रोड़ आम के पेड़ के नीचे पहुंच कर रेड कार्यवाही की गयी। जहॉ एक व्यक्ति मिला जिसके कब्जे एक प्लास्टिक के बोरा में 2 किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती 30,000 मिला नाम पता पूछने पर अपना नाम शंकर यादव पिता दादुलाल यादव उम्र 35 साल निवासी अमगांव थाना कुसमी का होना बताया है। आरोपी का यह कृत्य एनडीपीएस एक्ट के तहत दंडनीय पाए जाने से आरोपी के विरूद्ध अपराध कायम कर मादक पदार्थ गांजा जप्त कर कब्जे पुलिस लिया आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कुसमी उनि भूपेश बैस, सहायक उप निरीक्षक जय नारायण श्रीवास्तव चौकी प्रभारी पोड़ी, प्रधान आरक्षक वीरेंद्र रावत, प्रधान आरक्षक संदीप पाठक, आरक्षक उमेश द्विवेदी, आरक्षक नितेश सिंह, जगदीश शुक्ला का सराहनीय योगदान रहा।

राजस्व अधिकारियों के लिए मासिक किराये पर वाहन उपलब्ध कराने निविदा आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। अपर कलेक्टर राजेश शाही ने निविदा विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया है कि सीधी जिले में पदस्थ राजस्व अधिकारी एवं सत्कार शाखा के लिये वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में मासिक किराये पर वाहन उपलब्ध कराने के लिए 25 जून 2024 से 18 जुलाई 2024 तक सायं 03 बजे तक मुहर बंद निविदाएं कार्यालय कलेक्टर सीधी में आमंत्रित की गई है।

Change of Name & Date of Birth	Change of name & Date of Birth
I, Pavitra Devi is mother of, No. 15158852F, Rank:- HAV(GNR), Name:- Akhilesh Singh resident of Vill- Loharouhi, Post- Patiyari, Tehsil- Jawa, Dist- Rewa (M.P) hereby declare that I have changed my name and date of birth from Pavita Devi ,12 Aug 1963 To Pavitra Singh Date of Birth- 01 APR 1962 Affidavit dated: 08 MAY 2024 before, Rewa court Affidavit No. 770843	I, Ramesh Singh is father of, No. 15158852F Rank:- HAV (GNR), Name:- Akhilesh Singh resident of Village Loharauhi, Post- Patiari, Tehsil- Jawa, District- Rewa (M.P.), hereby declare that I have changed my name Ramesh Singh and date of birth from 12 August 1959, to name- Ramesh Pratap Singh and Date of Birth- 05 July 1963 Affidavit dated: 25/06/2024 , before Rewa Court Affidavit No. 705824

विचार

बच्चियों के कातिलों को कठोर सजा मिले

लड़की पूजा रोहतक, हरियाणा की रहने वाली थी। बी.एस.सी. तक पढ़ी थी। उसकी शादी 2022 में दिल्ली के पूंठकला में हुई थी। उसके घर वालों का कहना है कि शादी में 30 लाख से ऊपर खर्च हुआ था। जेवर अलग से दिए गए थे। लेकिन ससुराल वाले उससे कहते थे कि मायके से 5 लाख रुपए और लाए, कार खरीदनी है। लड़की के मना करने पर मार-पीट की जाती थी। उसका यह कहकर भी मजाक उड़ाया जाता कि उसके कोई बच्चा नहीं है, जबकि शादी को दो साल ही हुए थे। हाल ही में पूजा ने अपने मायके रोहतक में दो बच्चियों को जन्म दिया। लड़कियां पैदा हुई हैं, लड़का नहीं, इस बात से ससुराल वाले बहुत नाराज हुए। जब पूजा की अस्पताल से छुट्टी हुई तो पूजा के पति नीरज ने उसके भाई से कहा कि बच्चियों को उसे दे दे। उसके साथ कार में उसकी मां और रिश्तेदार भी थे। पूजा और उसके परिवार वाले दूसरी कार में थे। बीच में नीरज कहीं गायब हो गया। उसकी कार कहीं दिखाई ही नहीं पड़ी। पूजा और उसके घर वाले लगातार उसे फोन करते रहे, मगर उसने फोन नहीं उठाया। अगले दिन पूजा के घर वालों ने उस महिला को फोन किया, जिसने रिश्ता कराया था। वह महिला पूजा के पति के घर गई वहां उसे कोई नहीं मिला। पड़ोसियों ने कहा कि बच्चियों को गाड़ दिया गया है। पूजा के घर वालों ने रोहतक पुलिस स्टेशन में जाकर शिकायत की तो उनसे कहा गया कि मामला दिल्ली का है, इसलिए वहीं शिकायत करें। शिकायत करने पर दिल्ली पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की और बच्चियों के शवों को ढूंढ निकाला। शवों पर कीड़े चल रहे थे। पूजा और उसके परिवार वालों के लिए यह दर्दनाक दृश्य था। लड़कियों के जन्म की बात सुन ससुराल वाले बहुत नाराज थे। लेकिन पूजा और उसके परिवार उनकी इस मंशा को समझ नहीं सके कि वे बच्चियों को अपने साथ इसलिए ले जा रहे हैं कि उन्हें मार डालेंगे। पुलिस से उम्मीद है कि अपराधियों को कठोर सजा मिलेगी, मगर अफसोस है कि वे नन्ही बच्चियां अब कभी नहीं लौटेंगी। उन्हें जन्मते ही इतने क्रूर तरीके से दुनिया से विदा कर दिया गया, वह भी अपने पिता और उसके रिश्तेदारों के द्वारा। ऐसी घटनाएं हर रोज अपने देश में होती हैं। हाल ही में एक पिता ने भाई से लडने के अपराध में अपनी 2 साल की बच्ची को नहर में फैंक कर मार डाला। दूसरी घटना में एक पिता को शक था कि उसकी नन्ही बच्ची ट्रांसजैंडर है, तो उसने भी उसे नहर में फैंक दिया। भ्रूण हत्या से लेकर बच्चियों की हत्या तक के लिए हमारे देश में इतने कठोर कानून हैं, मगर हत्याएं रुकती नहीं। सन 2001 में छह वर्ष तक की बच्चियों की संख्या 7 करोड़ 88 लाख थी, जो दस साल बाद 2011 में घटकर 7 करोड़ 58 लाख रह गई। बच्चियों को मारने में हम अपने को कितना बलवान समझते हैं, यूं हम स्त्री पूजक देश हैं। पापुलेशन रिसर्च इंस्टीच्यूट की एक रिसर्च के अनुसार, 2000 से 2014 तक 12 करोड़, 7 लाख, 71 हजार, 43 गर्भपात हुए। ये सभी लड़कियों के गर्भ में होने के कारण किए गए। एशियन सैंटर आफ ह्यूमन राइट्स ने 2016 में एक रिपोर्ट तैयार की थी। उसमें बताया गया था कि लड़कियों की भ्रूण हत्या का बड़ा कारण लड़कियों के मुकाबले लड़के को प्राथमिकता देना है।

वायु प्रदूषण से होती लाखों मौतों के लिये कौन जिम्मेदार?

ललित गर्ग

कहते हैं जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। देश की हवा में घुलते प्रदूषण का 'जहर' अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। जीवन-शैली ऐसी बन गयी है कि आदमी जीने के लिये सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया, इस गंभीर होती स्थिति को यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट ने बयां किया है, इस रिपोर्ट के आंकड़े परेशान एवं शर्मसार करने के साथ चिन्ता में डालने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है।

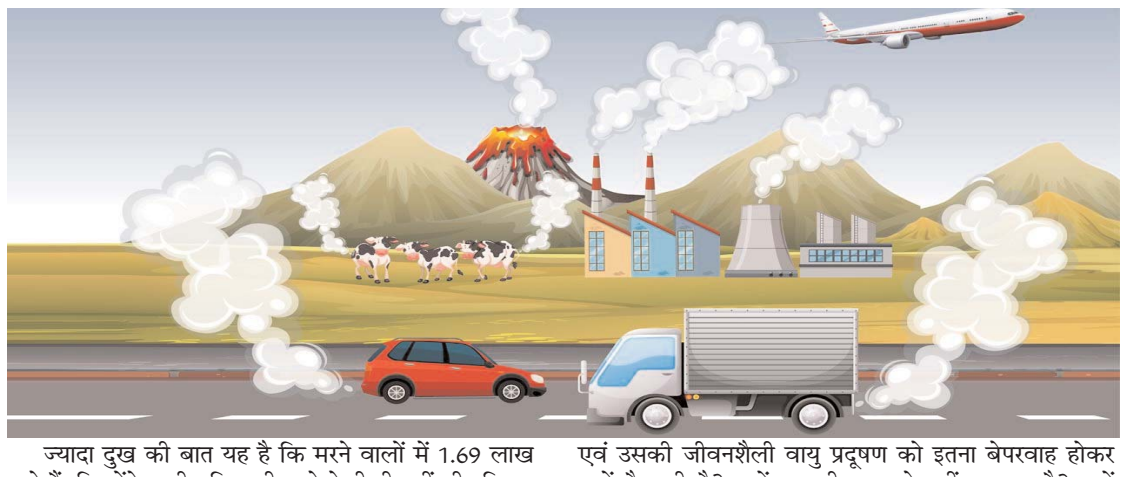

ज्यादा दुख की बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित, चिन्तीत व परेशान करने वाले हैं। वहीं सरकार के नीति-नियंताओं के लिये यह शर्म का विषय होना चाहिए, लेकिन उन्हें शर्म आती ही कहा है? तनिक भी शर्म आती तो सरकारें एवं उनके कर्ता-धर्ता इस दिशा में गंभीर प्रयास करते। सरकार की नाकामयियां ही हैं कि जिन्दगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी होकर उसे कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है। जानलेवा वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही एवं लापरवाही को ही दर्शाता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से वह प्रदूषण फैला रहा है और किस तरह वे इस जानलेवा प्रदूषण को नियंत्रित करने में सहयोगी हो सकते हैं। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा है? क्यों भयभीत नहीं है? देश की जनता दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, प्रदूषण जैसी समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्यों की सरकारें इस विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप करती है, जानबूझकर प्रदूषण फैलाती है ताकि एक-दूसरे की छीछालेदर कर सके। प्रदूषण के नाम पर भी कोरी राजनीति का होना दुर्भाग्यपूर्ण है। दिल्ली सहित उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण का बेहद खतरनाक स्थिति में बना रहना चिन्ता में डालता है। हालत ये बनते हैं कि कभी-कभी सांस लेना मुश्किल हो जाता है और लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर होना पड़ता है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम में प्रदूषण का बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों से आने वाला पराली का धुआं होता है। पराली के बाद पटाखों का धुआं भी बड़ी समस्या है, इसके अलावा सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने एवं बढ़ता धूम्रपान जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा अदालतों की अवमानना का मामला है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच हर व्यक्ति, शासन-प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के अपने दायित्वों से दूर होता जा रहा है। यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से 1 लाख 69 हजार बच्चे जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है, मौत के शिकार होते हैं। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका समुचित शारीरिक विकास सही ढ़ंग से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां से पीड़ित होना हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। दिल्ली सहित देश के कई महानगरों में प्रदूषण जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गयी है। हर कुछ समय बाद अलग-अलग वजहों से हवा की गुणवत्ता का स्तर 'बेहद खराब' की श्रेणी में दर्ज किया जाता है और सरकार की ओर से इस स्थिति में सुधार के लिए कई तरह के उपाय करने की घोषणा की जाती है। हो सकता है कि ऐसा होता भी हो, लेकिन सच यह है कि फिर कुछ समय बाद प्रदूषण का स्तर गहराने के साथ यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर इसकी असली जड़ क्या है और क्या सरकार की कोशिशें सही दिशा में हो पा रही है? इस विकट समस्या से मुक्ति के लिये ठोस कदम उठाने होंगे। सिर्फ दिल्ली ही नहीं, देश के कई शहर वायु प्रदूषण की गंभीर मार झेलते हैं। इसका पता तब ज्यादा चलता है जब वैश्विक पर्यावरण संस्थान अपने वायु प्रदूषण सूचकांक में शहरों की स्थिति को बताते हैं। पिछले कई सालों से दुनिया के पहले बीस प्रदूषित शहरों में भारत के कई शहर दर्ज होते रहे हैं। जाहिर है, हम वायु प्रदूषण के दिनोंदिन गहराते संकट से निपट पाने में तो कामयाब हो नहीं पा रहे, बल्कि जानते-बूझते ऐसे काम करने में जरा नहीं हिचकिचा रहे जो हवा को जहरीला बना रहे हैं। चिंता की बात यह है कि दक्षिण एशिया में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है। दरअसल, गरीबी और आर्थिक असमानता के चलते बड़ी आबादी येन-केन- प्रकारेण जीविका उपार्जन में लगी रहती है, उसकी प्राथमिकता प्रदूषण से बचाव के बजाय रोटी ही है। वहीं ढुलमुल कानूनों, तंत्र की काहिली तथा जागरूकता के अभाव में वायु प्रदूषण रोकने की गंभीर पहल नहीं हो पाती। मुश्किल यह है कि वायुमंडल के घनीभूत होने की वजह से जमीन से उठने वाली धूल, पराली की धुंध और वाहनों से निकलने वाले धुएं के छंटने की गुंजाइश नहीं बन पाती है। नतीजन, वायु में सूक्ष्म जहरीले तत्व घुलने लगते हैं और प्रदूषण के गहराने की दृष्टि से इसे खतरनाक माना जाता है। हमारा राष्ट्र एवं दिल्ली सहित अन्य राज्यों की सरकारें नैतिक, आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक एवं व्यक्तिगत सभी क्षेत्रों में मनोबल के दिवालिएपन के कगार पर खड़ी है। और हमारा नेतृत्व गौरवशाली परम्परा, विकास और हर प्रदूषण खतरों से मुकाबला करने के लिए तैयार है, का नारा देकर अपनी नेकनीयत का बखान करते रहते हैं। पर उनकी नेकनीयती की वास्तविकता किसी से भी छिपी नहीं है, देश में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों के हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट के आंकड़े इस वास्तविकता को उजागर करते हुए प्रदूषण की समस्या का कोई दीर्घकालिक और ठोस हल निकालने के लिये चेता रहे हैं।

पेपर लीक के बढ़ते मामले चिंता का विषय

बीते कुछ महीनों में देश में विभिन्न प्रतियोगी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने और संदेह के घेरे में आने के मामले लगातार उजागर होते रहे हैं। निश्चित रूप से सुनहरे भविष्य की आस में रात-दिन एक करने वाले प्रतिभागियों के सपने चकनाचूर होने के समान तो हैं ही, इस तरह के मामलों से प्रतिभागियों का विश्वास व्यवस्था से उठ जाता है। मैडिकल परीक्षा की पुरानी प्रक्रिया में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिए लाई गई नई व्यवस्था भी अब सवालों के घेरे में है। परीक्षाओं की जो पवित्रता भंग की गई है, उससे लाखों युवाओं के करियर और भविष्य अधर में लटके हैं। धनबल से पेपर, परीक्षा केंद्र, पेपर सैटर आदि खरीदे जा सकते हैं। धनबल के इस खेल में सबसे ज्यादा नुकसान उन बच्चों का होता है, जो ईमानदारी एवं एकाग्रतापूर्वक अपनी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। सरकार ने राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं में पारदर्शिता लाने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजैंसी (एन.टी.ए.) की स्थापना की थी। लेकिन नीट परीक्षा के नतीजों पर उठे सवालों ने इस संस्था और उसके कार्यों को संदेह के दायरे में ला दिया है। सवाल है कि जो माता-पिता अपने बच्चे की परीक्षा पास कराने के लिए 40 लाख रुपए प्रश्नपत्र के लिए खर्च कर सकते हैं, क्या वे देश में 'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.' पैदा करना चाहते हैं? यह घोर दंडनीय अपराध है। नीट प्रकरण के अलावा यू.जी.सी. नेट, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर.) और नीट-पीजी परीक्षाएं भी रद्द या स्थगित की गई हैं। इस तरह 37 लाख से अधिक युवाओं के भविष्य अनिश्चित हो गए हैं।

छात्रों के सामने उम्र निकल जाने का खतरा भी है। एन.टी.ए. की प्रक्रिया, परीक्षा-प्रणाली, आऊटसोर्स की मजबूरी, विशेषज्ञता के अभाव और मूल में भ्रष्टाचार आदि ऐसे बुनियादी कारण हैं, कि इस संस्थान को ही समाप्त करने की मांग की जा रही है। युवाओं के विरोध-प्रदर्शन इतने उग्र और व्यापक हो गए हैं कि एन.टी.ए. के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को हटा कर एक सेवानिवृत्त आई.ए.एस. अधिकारी प्रदीप सिंह खरोला को इस पद का दायित्व सौंपना पड़ा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक विशेष समिति का गठन किया है। बेशक उसमें महा विशेषज्ञ किस्म के महाबौद्धिक चेहरे शामिल हैं लेकिन वे एन.टी.ए. की तकनीक, परीक्षा-प्रविधि और अंतर्विरोधों के समाधान नहीं दे सकते। यह उनकी विशेषज्ञता से बिल्कुल अलग क्षेत्र है।

कांग्रेस की हालत सुधरी, लेकिन इतिहास रचने से रह गई

उमेश चतुर्वेदी

सोलहवीं और सत्रहवीं लोकसभा के चुनाव नतीजों की तुलना में देखें तो अठारहवीं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 99 सीटों पर जीत बड़ी कही जा सकती है। इस पर कांग्रेस नेताओं का इतराना स्वाभाविक भी है। स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि माने जाते रहे राजनीतिक दल का शीर्ष नेतृत्व इस तरह खुश हो रहा है, मानो उसने बड़ा तमगा हासिल कर लिया हो। लेकिन क्या यह कामयाबी इतनी बड़ी है कि पार्टी को इसकी खुशी में झूमना चाहिए? देश पर सबसे ज्यादा और तकरीबन सभी राज्यों में सबसे अधिक वक्त तक जिस पार्टी की सरकार रही हो, क्या उसके लिए यह जीत बड़ी मानी जा सकती है? 1885 में एओ ह्यूम ने कांग्रेस की स्थापना यह सोचकर नहीं की थी कि आने वाले दिनों में वह उनकी ही नस्ल के शासन के खिलाफ उठ खड़ी होगी, बल्कि भारतीय आजादी की मांग के साथ हुंकार भरने लगेगी। ह्यूम ने यह भी शायद ही सोचा होगा कि अंग्रेजी सरकार के खिलाफ भारतीयों के गुस्से के तार्किक इजहार के लक्ष्य से स्थापित कांग्रेस उन्हीं की प्रतिनिधि पार्टी बन जाएगी। पहले तिलक और बाद में गांधी का स्पर्श पाकर कांग्रेस ने जैसे अपना चोला बदल लिया। इसका फल उसे आजादी के बाद मिला और तीस सालों तक लगातार वह शासन में रही। उसे पहली बार 1977 में झटका लगा। लेकिन वह जल्द ही वापसी करने में कामयाब रही। ऐसे ही अल्पकालिक झटके उसे, 1989 और 1996 में भी लगे। 1998 में लगे झटके के ठीक अगले साल वह वापसी करती दिखी, लेकिन उसी साल हुए चुनावों के बाद पांच साल के लिए बाहर हो गई। कांग्रेस के इतिहास में यह पहला मौका रहा, जब उसे लगातार पांच साल के लिए सत्ता से बाहर रहना पड़ा। 2004 में अल्पमत से ही सही उसने वापसी की और दस

साल तक गठबंधन का सरकार चलाया। लेकिन 2014 के चुनावों में उसकी ऐतिहासिक हार हुई और वह महज 44 सीटों पर सिमट गई। देश पर सबसे ज्यादा वक्त शासन करने वाली पार्टी को नेता प्रतिपक्ष तक का पद नहीं मिला और यही स्थिति 2019 में भी रही, बेशक आठ सीटें बढ़ गईं। दिलचस्प यह है कि गांधी-नेहरू परिवार के चश्म-ए-चिराग के हाथों में पूरी कमान थी। इससे पार्टी में निराशा फैलना स्वाभाविक था, जिसे कांग्रेस अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे से चरम अभिव्यक्ति मिली। पांच साल पहले के आम चुनावों की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं। दिलचस्प यह है कि इनमें पिछली बार जीती गईं, 13 सीटें शामिल नहीं हैं। क्योंकि तेरह सीटें कांग्रेस हार चुकी है। फिर भी पार्टी ऐसे उछल रही है, मानो उसने तीन सौ सीटें जीत ली हो। पार्टी कुछ वैसे ही खुश नजर आ रही है, जैसे चार दशक पहले के चुनाव में मिली जीत से प्रसन्न थी। इंदिरा की हत्या की पृष्ठभूमि में हुए 1984 के आम चुनावों में पार्टी को 415 सीटें मिली थीं। 99 सीटों की जीत वाली यह उस कांग्रेस की खुशी है, जिसे आपातकाल के गुस्से के बावजूद 1977 40 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट और 189 सीटें मिली थीं। जबकि 2024 के चुनावों की तुलना 1977 से हो भी नहीं सकती। कांग्रेस के ही आला नेता राजीव गांधी ने देश को इक्कीसवीं सदी में तरक्की के साथ आगे बढ़ाने का संदेश दिया था। इक्कीसवीं सदी में कूटनीतिक, आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर देश काफी आगे बढ़ गया है। लेकिन कांग्रेस सौ सीटों का भी आंकड़ा नहीं छू पाई और उछल रही है। कांग्रेस से जुड़े आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलेगा कि बुरे से बुरे दिनों में भी पार्टी सौ से ज्यादा संसदीय सीटें कब्जाती रही। 1996, 1998, 1999 और 2004 के चुनाव ऐसे रहे, जिनमें कांग्रेस दो सौ का आंकड़ा नहीं छू पाई, लेकिन सौ से नीचे भी नहीं गई। 1996 में 140 और 1998 में 141 सीटों पर ही सिमट गया था। पार्टी 1999 और 2004 के आम चुनावों में भी दो सौ की सीट संख्या को पार नहीं कर पाई। उसे क्रमशः 114 और 145 सीटें मिलीं। यह बात और है कि 2004 में बीजेपी उससे छह सीटें कम जीत सकी, इसलिए पार्टी को सरकार बनाने का मौका मिल गया। लेकिन अगले आम चुनाव में पार्टी ने ठीकठाक उछाल मारा और 206 सीटों पर पहुंच गई। तब से तीन चुनाव हो चुके हैं और वह सौ का आंकड़ा तक नहीं छू पाई है। चुनावी अभियान में जुबानी जंग होती रही है। लेकिन चुनाव बीतते ही उसे भुला दिया जाता है। लेकिन कांग्रेस की अकड़ देखिए। पार्टी अपने से करीब ढाई गुनी ज्यादा सीट जीतने वाली बीजेपी को नैतिक रूप से हारी हुई पार्टी बता रही है। जयराम रमेश कह चुके हैं कि पार्टी नैतिक और राजनीतिक रूप से चुनाव हार चुकी है। पार्टी की जुबानी खराश चुनाव बाद भी दूर होती नजर नहीं आ रही। नई सरकारें बनने के बाद विपक्ष की ओर से भी औपचारिक शुभकामना संदेश देने का चलन रहा है। लेकिन कांग्रेस की ओर से शुभकामनाएं तक नहीं भेजी गई हैं। विपक्षी दलों की ओर से शपथ समारोह में शामिल होने की परंपरा रही है। लेकिन कांग्रेस का आला नेतृत्व इससे दूर रहा। इससे संदेश यह गया कि पार्टी नेतृत्व अकड़ में है। सोशल मीडिया के दौर ने सामाजिक परिदृश्य को दो हिस्सों में साफ बांट दिया है। तटस्थता की अवधारणा कमजोर हुई है। सोशल मीडिया मंच पर वही सफल है, जो या तो पक्ष में है या विपक्ष में। दोनों पक्ष अपने-अपने तरीके से अपने लिए तर्क और कुतर्क गढ़ते रहते हैं। उनके समर्थकों को इससे लेना-देना नहीं कि तर्क है या कुतर्क है। इसी तरह राजनीति भी साफ खांचे में बंट गई है। राजनीति भी कुतर्क को तर्क के मुलम्मे में लपेटकर अपने उन्मादी समर्थकों को और ज्यादा उन्मादी बना रही है। कांग्रेस की ओर से सत्ता पक्ष के लिए कड़वापन इसी प्रवृत्ति का विस्तार लगता है। यह बात और है कि लोकतंत्र में उन्मादी वैचारिकता और सोच की कोई जगह नहीं होती। कांग्रेस के पूरे चुनाव अभियान में भाषायी स्तर नीचे उतरता ही दिखा। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगल सूत्र और सांप्रदायिकता की बात की तो उसकी खूब आलोचना हुई। मीडिया के एक हिस्से और विपक्ष ने उस पर खूब सवाल उठाया। लेकिन उसी दौरान राहुल गांधी की भाषा मर्यादा के दायरे से लगातार बाहर जाती दिखी। लेकिन उस पर सवाल नहीं उठा। तब राहुल कहा करते थे कि लिख कर रख लो, मोदी इस बार गया। राहुल यह भी कहते थे कि बीजेपी 180 से आगे नहीं बढ़ेगी। बीजेपी का जो हुआ, वह सामने है। लेकिन राहुल के इस बयान से साफ लग रहा था कि वे बीजेपी को हराने की बजाय उसकी सीटें घटाने के लिए लड़ रहे हैं। तकरीबन समूचे विपक्ष का रवैया भी ऐसा ही रहा। विपक्ष की चुनावी रणनीति और अभियान देखकर ऐसा लगता रहा कि विपक्ष मोदी को हराने नहीं, उनकी ताकत घटाने की लड़ाई लड़ रहा है। सबकी कोशिश यही लग रही थी कि किसी भी तरह से बीजेपी को बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने से रोका जाए।

हत्या का बदला लेने मासूम पर फरसा से हमला

युवक ने घर में घुसकर महिला पर किए वार, जान बचाकर भागी, 3 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर जिले के मस्तूरी क्षेत्र में 6 महीने पहले हुई हत्या का बदला लेने के लिए युवक महिला के घर में घुस गया। उसने फरसा से महिला पर वार किया, जो छह महीने के बच्चे के सिर पर जा लगी। इस हमले में मासूम गंभीर रूप से घायल है। उसे इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। अब पुलिस ने आरोपी युवक और महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

दरअसल, ग्राम भदौरा निवासी सुरेश राठौर और उसके परिवार के सदस्य हत्या के मामले में जेल में बंद हैं। घटना के बाद से उसके परिवार के बाकी लोग कोरबा में रह रहे थे। सोमवार को सुरेश के परिवार के सदस्य गांव आए। शाम करीब पांच बजे सुरेश की बहन राजरानी राठौर अपने छह महीने के भतीजे ओम राठौर और दो अन्य बच्चों को लेकर गांव पहुंची। इस बीच उसका रिश्तेदार दूसरे सदस्यों को लेने के लिए मस्तूरी चला गया। तभी पड़ोस में रहने वाला अमन रात्रे घर में घुस गया। उसने फरसा लेकर राजरानी पर हमला किया। इस हमले में राजरानी बच गई। लेकिन उसके गोद में सो रहे छह महीने के भतीजे के सिर पर फरसा लगा। युवक को हमला करते देखकर वह घर से दौड़ते हुए भाग गई। इस दौरान दूसरे कमरे में मौजूद उसकी बहन किसी तरह घायल मासूम को लेकर घर से बाहर निकली।

शोरगूल सुनकर पहुंचे लोग: राजरानी के शोर मचाने पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। इतने में हमलावर युवक भाग निकला। इधर, गांव के लोगों की मदद से राजरानी और उसके परिवार के सदस्य घायल मासूम को लेकर मस्तूरी स्थित अस्पताल पहुंचे। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे सिम्स रेफर कर दिया गया, जिसके बाद उसे रायपुर भेज दिया गया है।

जादू-टोना की शंका पर छह महीने पहले बुजुर्ग महिला की हत्या: भदौरा निवासी अमृतलाल सोनवानी ने जादू-टोना के शक में मारपीट की शिकायत की थी। 11 जनवरी की रात वह काम पर गया था। परिवार के सदस्य घर पर थे। इसी दौरान गांव के केजउ राठौर और उसके परिवार के लोग उनके घर आए। उन्होंने अमृत की मां भूरी बाई को आवाज देकर नींद से उठाया। दरवाजा खोलने के बाद उस पर जादू-टोने का आरोप लगाकर गाली-गलौज की। इसके बाद केजउ और परिवार के सदस्य बुजुर्ग महिला को अपने साथ ले गए। इस दौरान बुजुर्ग से मारपीट की। फिर उसे गर्म हंसिया से जला दिया। जिससे वह बेहोश हो गया। इसके बाद उसे झाड़ियों में फेंक दिया। होश में आने पर महिला के चीखने की आवाज सुनकर गांव के लोगों ने घटना की जानकारी परिजन को दी। परिजनों ने गंभीर रूप से झुलसी महिला को सिम्स में भर्ती कराया था, जहां उसकी मौत हो गई। इस मामले में केजऊ राठौर, सुरेश राठौर, रवि उर्फ लल्ला, संतोष राठौर, देवी कहरा, धरम कहरा, बिशालनाथ राठौर जेल में बंद हैं।

हत्या के बाद से मौके की फिराक में थे आरोपी: बुजुर्ग महिला की हत्या के बाद से अमन रात्रे और परिवार के सदस्य पार्वती सुमन और बाबूलाल सुमन मौके की तलाश में थे। लेकिन, इस दौरान आरोपी परिवार के घर में ताला बंद था। सोमवार को परिवार के सदस्य गांव पहुंचे, तब मौका पाकर अमन फरसा लेकर घर में घुस गया।

इस हमले में पीड़ित परिवार के लोगों का बयान दर्ज करने के बाद पुलिस ने अमन रात्रे, पार्वती सुमन और बाबूलाल को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, घटना में शामिल एक आरोपी फरार है।

छत्तीसगढ़ में लड़की को चाकू से गोद डाला

युवक ने दिनदहाड़े किए 11 वार, फिर रेता गला, सड़क पर कोई बचाने नहीं आया

मीडिया ऑडीटर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही एजेंसी। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में बुधवार को एक लड़की की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। लड़की अपने भाई के साथ बैंक पहुंची थी। इसी दौरान बाहर एक युवक ने उसके पेट में धारदार हथियार (चाकू) से कई वार किए और गला रेत दिया। फिर वहां से भाग निकला। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मामला गौरेला थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, झगराखाड़ निवासी रंजना यादव (21) अपने चचेरे भाई के साथ मेन रोड स्थित एक्टिवा से स्टेट बैंक की शाखा में पहुंची थी। रंजना जैसे ही एक्टिवा से उतरी एक युवक मुंह पर कपड़ा बांधकर पहुंचा और उस पर धारदार हथियार से एक के बाद एक कई वार कर दिए। इससे रंजना की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक ने उस पर 11 वार किए।

नाकेबंदी कर आरोपी की तलाश जारी: सूचना मिलने पर पुलिस पहुंच गई। उसने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। फॉरेंसिक टीम भी पहुंच गई है। ब्ब्न्ट फुटेज के आधार पर जिले में नाकाबंदी कर आरोपी की तलाश की जा रही है। फुटेज में साफदिख रहा है कि लड़की और आरोपी के बीच करीब 3 मिनट तक बातें होती हैं। इसके बाद युवक चाकू से वार करता है।

किसी ने लड़की को बचाने का प्रयास नहीं किया: वारदात के बाद आरोपी ने धारदार हथियार को लड़की के शव के पास ही फेंक दिया। इसके बाद कुछ देर वहीं खड़ा रहा। खास बात यह है कि इस दौरान मेन रोड पर काफी भीड़ थी। युवक को लड़की पर हमला करते हुए लोग देख रहे थे, लेकिन किसी ने भी उसे रोकने की हिम्मत नहीं की।

परिजनों ने बताया- मोबाइल को लेकर झगड़ रहा था आरोपी: लड़की के भाई ने बताया कि, आरोपी युवक लगातार उनका पीछा कर रहा था। बैंक के बाहर पहुंचते ही रंजना से मोबाइल मांगते हुए विवाद करने लगा। रंजना ने उसे मोबाइल दिया और फिर कभी नहीं मिलने की बात कही। तभी युवक ने चाकू निकाल लिया और रंजना पर हमला कर दिया।

लड़की की छोटी बहन ने बताया कि, रंजना का दुर्गेश नाम के एक लड़के से दोस्ती थी। इसके बाद दुर्गेश ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया। उसी ने रंजना को मोबाइल भी दिया था। आरोप है कि दुर्गेश ने ही रंजना की हत्या की है।

गौरेला का सबसे व्यस्तम इलाका: इसी जगह पर करीब 14 साल पहले गौरेला के ग्रामीण बैंक के कैशियर की 10 लाख रुपए लूटने के बाद गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह गौरेला का सबसे व्यस्तम इलाका है। इसके बाद भी यहां पर सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं है।

दिनदहाड़े हत्या से लोगों में दहशत: यहां से जाने वाले रास्ते मध्यप्रदेश के अनूपपुर और डिंडोरी की ओर जाते है। अंतरराज्यीय सीमा वाली रोड पर लगातार हो रही घटनाओं के बावजूद पुलिस ने सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए। अब दिनदहाड़े हत्या की घटना से गौरेला में एक बार फिर दहशत फैल गई है।

बछड़े को कार से कुचलने का वीडियों, देर रात ड्राइवर ने रिवर्स लेकर दोबारा चढ़ाई गाड़ी

बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में कार से बछड़े को रौंदने का वीडियो सामने आया है। मंगलवार देर रात कार चालक ने सड़क पर बैठे बछड़े पर जानबूझकर कार चढ़ाई फिर रिवर्स कर उसे दोबारा कुचला। बछड़े की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ये घटना वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। तारबहार क्षेत्र का ये मामला है। स्थानीय लोगों ने गौ-सेवकों को वीडियो सौंपकर, दोषी कार चालक के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग की है। हिंदू संगठन से जुड़े धनंजय गिरी गोस्वामी ने वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उनके मुताबिक कार नंबर से आरोपी की पहचान तारबहार निवासी शेख शाहिद के रूप में हुई है।

सड़क पर मवेशियों को लेकर राज्य सरकार को है निर्देश: हाईकोर्ट ने नेशनल, स्टेट हाईवे और शहरों में सड़क पर बैठने वाले मवेशियों को लेकर राज्य सरकार को आदेश भी जारी किया था। जिसमें कमेटी बनाकर अफसरों की जिम्मेदारी तय कर मवेशियों को सड़क से विस्थापित करने को कहा गया था।

तेज धूप ने बढ़ाई गर्मी और उमस

सामान्य से 3 डिग्री अधिक तापमान, आज हो सकती है बारिश

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर जिले में मौसम के उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। मानसून सक्रिय होने के बाद पिछले दो दिन से बारिश नहीं हुई है। तेज धूप की वजह से गर्मी और उमस बढ़ गई है। मंगलवार को दिन का तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक और अधिकतम तापमान 36 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने बुधवार को जिले में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

दरअसल, प्री-मानसून ने बारिश के पिछले साल का रिकार्ड तोड़ दिया है। बावजूद इसके जून में गर्मी और उमस से राहत नहीं मिल पाई है। मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। मंगलवार को तेज धूप के साथ गर्मी और भारी उमस ने लोगों को परेशान कर दिया। शाम को आसमान में बादल छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई।

आज से बढ़ेगी बारिश की सक्रियता: मौसम विभाग के अनुसार, 26 जून से मानसून पूरी तरह से सक्रिय हो जाएगा। इसके बाद अगले एक सप्ताह तक अच्छी बारिश होने की संभावना है। विभाग के मुताबिक इस साल मानसून सामान्य से ज्यादा सक्रिय रहेगा। जिससे अच्छी बारिश होने के आसार है।

बारिश के चलते तापमान में भी आएगी गिरावट: एक द्रोणिका दक्षिण गुजरात से उत्तर पश्चिम विहार तक 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक पूर्व पश्चिम द्रोणिका उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश से असम तक 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश में 26 जून को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने या गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

दोस्त दर्द से चीखता रहा, युवक चाकू से मारता रहा

गर्दन-सीने और पेट में घोंपा चाकू, पुरानी रंजिश को लेकर हुआ था विवाद

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। राजधानी रायपुर में पुरानी रंजिश को लेकर दो दोस्तों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोस्त पर चाकू से हमला कर दिया है। जिससे वो लहूलुहान हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है।

पीड़ित मौमिल केशरवानी ने पुलिस को बताया कि, 17 जून को उसका आरोपी दीपांशु साहू के साथ चाय पीने के दौरान पुरानी बातों को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद दोनों के बीच समझौता हो गया। लेकिन दीपांशु साहू इस बात से संतुष्ट नहीं था।

वह मौमिल से पुरानी लड़ाई को लेकर बदला लेना चाहता था। आरोपी और उसका दोस्त मौमिल फिर एक बार बोरियाखुर्द पानी टंकी के पास मिले। इस बार दीपांशु साहू गाली-गलौज करने लगा।

कमर में फंसाकर लाया था चाकू: आरोपी दीपांशु अपनी कमर में चाकू फंसा कर लाया था। दोनों के बीच विवाद बढ़ते ही उसने चाकू निकालकर मौमिल के गर्दन, पेट और सीने में ताबड़तोड़ वार कर दिया। पहला वार होते ही वह दर्द में चीखने लगा, बावजूद आरोपी नहीं रुका। इस हमले में वो बुरी तरह जख्मी होकर जमीन पर गिर गया। शरीर से खून बहने लगा। जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। इस बीच आरोपी भाग गया।

पुलिस ने रेड मारकर किया गिरफ्तार: इस मामले में टिकरापारा पुलिस ने हाफमर्डर का केस दर्ज किया। आरोपी दीपांशु साहू की खोजबीन शुरू हुई। पुलिस को मंगलवार को आरोपी के छिपने के ठिकाने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने दीपांशु साहू को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

बड़े जलाशयों के लिए कंट्रोल-रूम होंगे तैयार

बांधों से पानी छोड़ने के 12 घंटे पहले देनी होगी जानकारी, बाढ़ नियंत्रण कक्ष भी तैयार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर निप्र। छत्तीसगढ़ में मानसून के पूरी तरह से सक्रिय होने से पहले उच्च स्तरीय बाढ़ नियंत्रण समिति की बैठक हुई। बैठक में आने वाले दिनों में अधिक बारिश होने की वजह से बाढ़ जैसे हालातों से निपटने और तैयारियों को लेकर चर्चा की गई है। बारिश, बाढ़ की निगरानी और नियंत्रण के लिए प्रदेश स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष भी तैयार किया गया है।

बैठक में तय किया गया है कि बारिश के दिनों में बांधों का जल स्तर बढ़ने पर बांधों को खोलने से 12 घंटे पहले निचले जिलों और सीमावर्ती राज्यों को इसकी सूचना देनी होगी। प्रदेश में कमजोर हो चुके पुल-पुलियों और इमारतों की पहचान कर मरम्मत कराने को कहा गया। साथ ही बाढ़ के समय दुर्घटना वाले क्षेत्र में सूचना फ्लक और बैरियर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

जिले से लेकर प्रदेश स्तरीय कंट्रोल रूम होंगे तैयार: बैठक में निर्देश दिया गया है कि ऐसे जिले जहां बड़ी नदियां बहती हैं, वहां जल स्तर पर बराबर नजर रखी जाए। जल स्तर के खतरे के निशान पर पहुंचने की संभावना होने पर इसकी सूचना पहले ही राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष और निचले जिलों को लगातार देने की व्यवस्था की जाए।

इसी तरह से बड़े जलाशयों पर कंट्रोल रूम बनाकर कर जल स्तर की जानकारी समय-समय पर शासन को उपलब्ध करानी होगी।

प्रदेश स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष भी तैयार: राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना भी की गई है। यहां 0771-2223471 पर बात की जा सकेगी।

इसके अलावा बाढ़ नियंत्रण कक्ष से 0771-2221242 इस नंबर पर भी सम्पर्क किया जा सकता है। जिला स्तर पर भी बाढ़ नियंत्रण कक्षों की स्थापना की गई है।

इन तैयारियों को पहले ही करने के निर्देश: बाढ़ की स्थिति को देखते हुए अंदरुनी क्षेत्रों में खाद्य सामग्री, नमक, केरोसिन, जीवन रक्षक दवाईयां, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चिकित्सा दलों का गठन सहित अन्य जरूरी सामग्री इकट्ठा करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दे दिए गए हैं।

पुरानी-जर्जर भवनों की होगी निगरानी: अपर मुख्य सचिव शर्मा ने कहा है कि नगरीय क्षेत्रों में जर्जर भवनों की निगरानी लगातार की जाए। इन भवनों में रहने लोगों को किसी अन्य सुरक्षित स्थानों पर अस्थायी रूप से बसाए जाने की भी व्यवस्था की जाए। ज्यादा से ज्यादा ऐसे पुराने और जर्जर भवनों की निगरानी की जाए।

हर साल बाढ़ ग्रसित क्षेत्र होंगे चिह्नित: ऐसे क्षेत्र जहां हर साल बाढ़ आती है, उन्हें पहले से ही चिह्नित करने के निर्देश दिए गए हैं। इन क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने और जरूरत पड़ने पर वहां के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और उनके ठहरने के लिए राहत शिविर बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

बाढ़ से बचाव के काम में आने वाले उपकरणों की मरम्मत करने और जिन जिलों में मोटर बोट उपलब्ध है। उनकी जानकारी तत्काल ही राहत आपदा नियंत्रण कार्यालय को दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

एएसआई रिश्वत लेते गिरफ्तार

जमीन विवाद में मारपीट की धारा बढ़ाने 30 हजार की थी डिमांड, सहयोगी भी पकड़ा गया

मीडिया ऑडीटर, सूरजपुर/सरगुजा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के रामानुजनगर थाने में पदस्थ एएसआई माधव सिंह को 10 हजार रिश्वत लेते सरगुजा एसीबी की टीम ने रंगे हाथों पकड़ा है। दरअसल, जमीन विवाद के मामले में दो पक्षों में मारपीट हुई थी। एएसआई ने एक पक्ष के खिलाफधारा बढ़ाने के लिए 30 हजार रुपए की डिमांड मांगी थी, लेकिन 10 हजार में सौदा हुआ।

जानकारी के अनुसार, रामानुजनगर थाने के ग्राम सुरता निवासी ग्रामीणों के बीच जमीन विवाद को लेकर कुछ दिनों पहले विवाद हुआ था। जनपद सदस्य शिवमंगल सिंह के भाई पर ग्रामीणों ने कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया था। शिकायत पर पुलिस ने सामान्य मारपीट और गाली-गलौज की धाराएं लगाई थी।

धारा बढ़ाने मांगी 30 हजार रुपए रिश्वत: इस मामले में जनपद सदस्य शिवमंगल सिंह ने थाने में संपर्क किया, तो थाने में पदस्थ एएसआई माधव सिंह ने मामले में धारा 307 जोड़ने के लिए 30 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। जिसकी शिकायत शिवमंगल सिंह ने एसीबी अंबिकापुर से की। एसीबी की टीम ने फोन पर बात कर रिश्वत मांगने की पुष्टि कराई। जिस पर एएसआई पैसे लेकर धारा बढ़ाने के लिए तैयार हो गए।

एसीबी ने रंगे हाथों पकड़ा: अंबिकापुर से एसीबी डीएसपी प्रमोद कुमार खेस की टीम बुधवार दोपहर रामानुजनगर पहुंची। शिवमंगल सिंह को केमिकल लगे 10 हजार रुपए लेकर थाने भेजा गया। एएसआई माधव सिंह ने सहयोगी मोहमुद्दीन के हाथों रिश्वत की रकम 10 हजार रुपए ले लिया। जैसे ही उसने एएसआई को रिश्वत के पैसे दिए, वैसे ही एसीबी की टीम ने उन्हें रंगे हाथों धर दबोचा।

इस मामले में एसीबी ने एएसआई माधव सिंह और सहयोगी मोहमुद्दीन को भी गिरफ्तार कर लिया है। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7, 12 के तहत केस दर्ज किया गया है। अब दोनों आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

एक सप्ताह में दूसरी बड़ी कार्रवाई: सरगुजा एसीबी की टीम की एक सप्ताह में यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले, शुक्रवार को टीम ने सरगुजा के उदयपुर एसडीएम बीआर खांडे, कार्यालय के रीडर, भृत्य और गार्ड को 50 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था।

सड़क हादसे का वीडियों आया सामने

सामने से आ रहे ट्रक में जा घुसी थी स्कॉर्पियो, रील बना रहे थे युवक

मीडिया ऑडीटर, कांकेर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कांकेर के झिपाटोला एनएच-30 में हुए सड़क हादसे का वीडियो सामने आया है। हादसे में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ट्रक में जा घुसी थी। स्कॉर्पियो में सवार युवक रील बना रहे थे और तेजी से अन्य वाहनों को ओवरटेक कर आगे बढ़ रहे थे। इस दौरान युवक सामने से आ रही ट्रक में जा घुसे। इस भीषण हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी वहीं अन्य 3 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। गौरतलब है कि 19 जून की रात तकरीबन 10 बजे चारामा पिपरौद के 5 लोग स्कॉर्पियो वाहन से चारामा ढाबा आए थे। ढाबे से वापस जाने के दौरान एनएच-30 झिपाटोला के पास अज्ञात वाहन की टक्कर मार दी थी।

हादसे में दो लोगों की हुई थी मौत: टक्कर इतनी भीषण थी की स्कॉर्पियो वाहन के परखच्चे उड़ गए। वाहन की जबरदस्त टक्कर से पिपरौद निवासी ड्राइवर लक्ष्मीनारायण मंडावी और विजय सलाम की मौके पर मौत हो गई थी। वहीं वाहन में पीछे बैठे अन्य 3 लोग गंभीर रूप से घायल थे। जिन्हें स्वास्थ्य केंद्र चारामा में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर धमतरी रेफर किया गया था।

6 दिन बाद एक्सीडेंट का वीडियो आया सामने: इस भीषण सड़क हादसे के 6 दिन बाद विडियो सामने आया है। वीडियो में स्कॉर्पियो चालक वाहनों को ओवरटेक करते सामने से आ रही ट्रक से टकराते नजर आ रहा है। टक्कर के बाद ट्रक ड्राइवर ट्रक लेकर फरार हो चुका था, जिसकी तलाश पुलिस अब तक नहीं कर पाई है।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

एमपी के विदिशा से दीदी-जीजा के घर आई थी, सुसाइड की वजह स्पष्ट नहीं

मीडिया ऑडीटर, बालोद एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बालोद में एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती मध्यप्रदेश विदिशा थाना क्षेत्र के बरसेना गांव की रहने वाली है, जो बालोद में अपने दीदी-जीजा के घर छुट्टियां मनाने आई थी। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है। युवती ने आत्महत्या के लिए खुद को जिम्मेदार बताया है। सुसाइड नोट में युवती ने किसी को तंग न करने की बात कही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

बालोद में किराए के मकान में रहता है परिवार: युवती का नाम साक्षी है। घटना के वक्त साक्षी के जीजा-दीदी सहित बच्चे स्कूल शुरू होने के कारण स्टेशनरी सामान खरीदने के लिए गए हुए थे। शाम करीब 7:45 बजे परिवार अपने घर वापस पहुंचा। परिवार बालोद में किराए के मकान में रहता है।

खटखटाने के बाद नहीं खोला दरवाजा: लगभग 15-20 मिनट तक आवाज देने और दरवाजा खटखटाने के बाद भी साक्षी ने दरवाजा नहीं खोला। दरवाजा नहीं खोलने पर जीजा-दीदी को शक हुआ तो उन्होंने अपने मकान मालिक को बुलाया।धक्का देकर दरवाजा खोला गया। जैसे ही दरवाजा खुला सभी की आंखें फटी की फटी रह गई। सामने पंखे से साक्षी का शव लटका हुआ था।

साक्षी ठैब की पढ़ाई कर रही थी। साथ ही वह प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने भी जाती थी। इसके अलावा वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रही थी। घटना की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

बहन के साथ बालोद आई थी साक्षी: मृतका के जीजा डॉक्टर रविंद्र वर्मा पीपल छेड़ी स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ हैं।

जमू-कश्मीर के डोडा में तीन आतंकी ढेर

डोडा (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के गंडोह इलाके में बुधवार (26 जून) को सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया है। सुबह 2-3 आतंकियों के इलाके में छिपे होने की सूचना के बाद पुलिस और सेना ने सर्च ऑपरेशन लॉन्च किया था, जिसके बाद सुबह 9.50 बजे एनकाउंटर शुरू हुआ। इस एनकाउंटर में जम्मू-कश्मीर पुलिस में तैनात स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप का जवान भी घायल हुआ है। आशिक हुसैन नाम के इस जवान को डोडा के सरकारी मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां डॉक्टरों ने बताया है कि उनके दाहिने पैर में गोली लगी है। अधिकारियों ने बताया कि 11 और 12 जून को डोडा में दोहरा आतंकवादी हमला हुआ था। इसके बाद से सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। आज सुबह 2-3 आतंकियों के सिनू पंचायत के गांव में छिपे होने की सूचना मिली थी। इसी दौरान ढोक (मिट्टी से बना घर) से आतंकियों ने टीम पर गोलीबारी की। इलाके में अब भी सर्च ऑपरेशज जारी है। पूरे इलाके पर ड्रोन और हेलीकॉप्टर के जरिए नजर रखी जा रही है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि राजौरी जिले के चिंगस इलाके के पिंड गांव से मंगलवार शाम चीनी ग्रेनेड बरामद किया गया था।

लोकसभा में राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी से मिलाया हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओम बिरला को 18वीं लोकसभा का स्पीकर चुन लिया गया है। उनके स्पीकर चुने जाने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी उन्हें खुद सीट तक लेकर गए। इस दौरान वहां पर विपक्षी नेता राहुल गांधी भी मौजूद थे। स्पीकर बनने के बाद उन्होंने ओम बिरला को बधाई दी। बाद में उन्होंने पीएम मोदी से हाथ मिलाया और ये ऐतिहासिक पल कैमरे में कैद हुआ है। परंपरा अनुसार लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद पीएम और विपक्ष नेता उन्हें कुर्सी तक लेकर जाते हैं। इस दौरान पीएम मोदी और राहुल गांधी ने हाथ मिलाया। यह एक ऐतिहासिक पल था, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। ओम बिरला के स्पीकर सीट तक पहुंचने के बाद प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने कहा कि आपकी चेयर है, आप संभालें।

लोकसभा में अखिलेश यादव की टिप्पणी पर उठा ठहाका, बोले- हमारे स्पीकर की कुर्सी बहुत ऊंची है

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी सांसद ओम बिरला को आज 18वीं लोकसभा का स्पीकर चुना गया है। उनके अध्यक्ष बनने पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने उनका स्वागत किया है। इस दौरान अखिलेश ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि आप लोकतांत्रिक न्याय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में बैठे हैं। हम सबकी आपसे अपेक्षा है कि किसी जनप्रतिनिधि की आवाज दबाई ना जाए और न ही निष्कासन जैसी कार्रवाई दोबारा सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाएं। आपका अंकुश विपक्ष पर तो रहता है ही, लेकिन आपका अंकुश सत्ता पक्ष पर भी रहे। सपा मुखिया की ये बात सुनकर संसद में बैठे कई सदस्य हंसने लगे। अखिलेश ने अपनी बात को जारी रखते हुए कहा- आपके इशारे पर सदन चले, इसका उल्टा न हो। हम आपके हर न्याय संगत फैसले के साथ खड़े हैं। मैं इस नए सदन में पहली बार आया हूं। मुझे लगा कि स्पीकर की कुर्सी बहुत ऊंची है, मैं जिस सदन को छोड़कर आया हूं वहां कुर्सी और ऊंची है, नया सदन में पत्थर तो ठीक लगा है, मुझे उम्मीद है कि आप जितना सत्ता पक्ष को मौका देंगे उतना ही विपक्ष को भी मौका देंगे। वहीं उन्होंने ओम बिरला ने बधाई देते हुए कहा कि- प्रधानमंत्री जी और हमारे साथी नेता विपक्ष ने आपको बधाई दे चुके हैं।

अमेरिकी दस्तावेज लीक करने के मामले में जूलियन असांजे हुए रिहा, अमेरिकी कोर्ट में स्वीकार किया अपना अपराध

अमरीका (एजेंसी)। अमेरिकी सैन्य दस्तावेजों को पब्लिक करने के मामले में लंबे समय से अदालत का सामना कर रहे विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे को अब पूरी तरह से आजाद कर दिया गया है. एक डील के तहत सायपन की एक अमेरिकी अदालत में असांजे ने बुधवार को अपना गुनाह कबूल कर लिया. विकीलीक्स के प्रधान संपादक क्रिस्टिन ह्राफसन ने बताया कि आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के हस्तक्षेप के बाद यह समझौत हुआ है. साल 2010 से चल रही कानूनी उठापटक के बाद आखिरकार यह मामला अब समाप्त हो गया।

दरअसल, साल 2010 में विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे ने अमेरिकी सेना से जुड़े 7 लाख गुप्त दस्तावेजों को अपनी साइट पर पब्लिक कर दिया था. तभी से अमेरिका असांजे की तलाश में था. अमेरिकी न्याय विभाग की तरफ से जारी एक पत्र में कहा गया था कि उम्मीद है कि असांजे अमेरिकी खुफिया दस्तावेजों को लीक करने के मामले में अपना अपराध स्वीकार कर लेगें. असांजे पिछले पांच साल से ब्रिटेन की एक हाई सिक्योरिटी जेल में बंद थे, सोमवार को अमेरिका के साथ हुई डील के बाद वह ब्रिटेन से ऑस्ट्रेलिया रवाना हुए थे.

जूलियन सोमवार को ब्रिटेन की जेल से ऑस्ट्रेलिया हुए थे रवाना: अभियोजकों ने बताया कि असांजे की सुनवाई साइपन में हुई क्योंकि वे महाद्विपीय अमेरिका नहीं जाना चाहते थे. यह अमेरिकी कोर्ट ऑस्ट्रेलिया से करीब है. ब्रिटेन के न्यायिक अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि गुप्त समझौते के बाद असांजे सोमवार को ब्रिटेन से ऑस्ट्रेलिया रवाना हुए थे. पिछले सप्ताह असांजे की अपील पर ब्रिटेन में उनकी जमानत को लेकर सुनवाई हुई थी. अमेरिकी न्यायालय में डील के तहत असांजे की तरफ से अपराध स्वीकार करने के बाद अब अंतरराष्ट्रीय षडयंत्र के एक चर्चित मामले का समापन हो गया.

जूलियन असांजे की जेल में हुई थी शादी: दस्तावेजों को पब्लिक करने के बाद यह अंतराष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता का मुद्दा बन गया था. प्रेस स्वतंत्रता समर्थकों का मानना था कि असांजे ने एक पत्रकार के रूप में अमेरिका की गलत सैन्य गतिविधियों को उजागर किया था. इसके उल्टा अमेरिका का कहना था कि असांजे ने सुरक्षा के लिए बनाए गए अमेरिकी कानूनों को तोड़ा है. साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाला है. असांजे की पत्नी स्टेला असांजे ने ऑस्ट्रेलिया में बीबीसी को बताया कि पिछले 72 घंटे से यह %अनिश्चितता% बनी हुई थी कि समझौता आगे बढ़ेगा या नहीं. स्टेला ने कहा फिलहाल समझौता होने की खबर आने के बाद %खुशी% महसूस हुई. दरअसल, स्टेला असांजे एक वकील हैं, इन्होंने साल 2022 में विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे के साथ जेल में शादी की थी.।

राहुल गांधी को सुल्तानपुर कोर्ट में पेश होने का आदेश

सुलतानपुर एजेंसी)। सुल्तानपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को अमित शाह हेट स्पीच केस में 2 जुलाई को पेश होने का आदेश दिया है। बुधवार को सुनवाई के दौरान जज ने राहुल के वकील से पूछा कि वह कहां हैं? वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि लोकसभा में स्पीकर पद का चुनाव है। इसलिए वह कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। कोर्ट ने राहुल को 2 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने का आदेश दिया है। 8 मई 2018 को बेंगलुरु में कर्नाटक विधानसभा चुनाव

के दौरान राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमित शाह को हत्या का आरोपी कहा था। इसी के खिलाफ सुल्तानपुर के भाजपा नेता ने मानहानि का केस दर्ज कराया था। इससे पहले इसी साल राहुल गांधी 20 फरवरी को कोर्ट में पेश हुए थे। केस 5 साल से चल रहा है। दिसंबर 2023 में एमपी/विधायक कोर्ट के तत्कालीन जज ने राहुल गांधी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। राहुल ने 20 फरवरी 2024 को सुल्तानपुर कोर्ट पहुंचकर सरेंडर किया था। कोर्ट ने उन्हें 25-25 हजार के दो बॉन्ड पर जमानत दी थी।

केजरीवाल को 3 दिन की सीबीआई रिमांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ट्रायल कोर्ट ने तीन दिन की सीबीआई कस्टडी में भेज दिया है। बुधवार सुबह सीबीआई ने शराब नीति केस में भ्रष्टाचार के आरोप में केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सीबीआई ने उन्हें ट्रायल कोर्ट में पेश कर 5 दिन की कस्टडी मांगी। कोर्ट ने करीब 4 घंटे तक दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। शाम 7 बजे कोर्ट ने फैसला सुनाया। सुनवाई के दौरान केजरीवाल ने कहा कि मीडिया में खबर चलाई जा रही है कि मैंने सिसोदिया पर शराब नीति के आरोप लगाए हैं। यह गलत है। मैंने कहा था कि कोई दोषी नहीं हैं। सिसोदिया भी दोषी नहीं हैं। इस पर सीबीआई के वकील ने कहा मीडिया में जो चल रहा है वह सब सही है। सब फैक्ट्स पर आधारित है। इससे पहले सुनवाई के दौरान ही कोर्ट रूम में केजरीवाल की तबीयत बिगड़ गई थी। उनका शुगर लेवल गिरने के कारण कुछ देर के लिए उन्हें अलग रूम में शिफ्ट किया गया। हालांकि बाद में वे कोर्ट रूम में वापस लौट आए। सीबीआई ने 25 जून को रात 9 बजे तिहाड़ जाकर शराब नीति में भ्रष्टाचार को लेकर केजरीवाल से पूछताछ की थी। इससे पहले,

शराब नीति में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ईडी ने 21 मार्च को उन्हें गिरफ्तार किया था। वे पिछले 87 दिनों से तिहाड़ में बंद हैं। हालांकि वे 10 मई से 2 जून यानी 21 दिन के लिए पैरोल पर थे। केजरीवाल की गिरफ्तारी सीबीआई ने ट्रायल कोर्ट में ही की। कोर्ट में केजरीवाल की तरफ से वकील विवेक जैन और विक्रम चौधरी पेश हुए। वहीं सीबीआई की तरफ से वकील डीपी सिंह ने दलीले दीं। दोनों पक्षों की दलीलें वेकेशन बेंच के जस्टिस अमिताभ रावत ने सुनी।

सड़कें अच्छी हालत में न हों तो राजमार्ग एजेंसियां टोल न वसूलें-केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि अगर सड़कें अच्छी हालत में नहीं हैं तो राजमार्ग का संचालन करने वाली एजेंसियों को उपयोगकर्ताओं से टोल नहीं वसूलना चाहिए। गडकरी उपग्रह-आधारित टोल संग्रह प्रणाली पर आयोजित एक वैश्विक कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस प्रणाली को चालू वित्त वर्ष में ही 5,000 किलोमीटर से अधिक लंबे राजमार्गों पर लागू किया जाना है। गडकरी ने कहा, ''अगर आप अच्छी

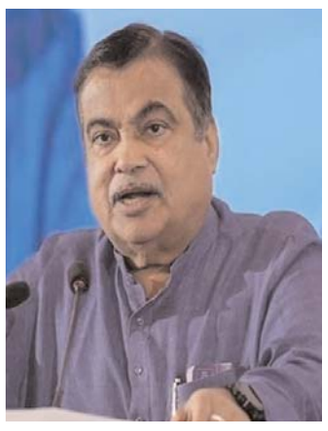

गुणवत्ता वाली सेवा नहीं देते हैं, तो आपको टोल नहीं वसूलना चाहिए। हम उपयोगकर्ताओं से शुल्क वसूलने और अपने हितों को सुरक्षित रखने के लिए टोल वसूलने की जल्दबाजी में हैं। उन्होंने कहा, ''आपको उसी जगह पर उपयोगकर्ता शुल्क वसूलना चाहिए, जहां आप सबसे अच्छी गुणवत्ता वाली सड़क मुहैया करा रहे हैं। अगर आप गड्ढों और कीचड़ वाली सड़कों पर भी टोल वसूलते हैं, तो आपकों लोगों की प्रतिक्रिया का भी सामना करना होगा।

ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा स्पीकर बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा के स्पीकर चुने गए। बुधवार, 26 जून को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही प्रोटेम स्पीकर भतृर्हरि महताब ने स्पीकर के चुनाव की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिरला के नाम का प्रस्ताव रखा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत एनडीए के नेताओं ने समर्थन किया। सदन में ध्वनिमत से बिरला के नाम का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद पीएम मोदी

और विपक्ष के नेता राहुल गांधी उन्हें चेयर तक छोड़ने आए। इससे पहले शिवसेना (यूटीबी) सांसद अरविंद सावंत ने कांग्रेस सांसद के. सुरेश को लोकसभा अध्यक्ष के रूप में चुने जाने का प्रस्ताव रखा। सदन की कार्यवाही ढाई घंटे (सुबह 11 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक) चली।

कर्नाटक में तीन और डिप्टी सीएम की मांग

बेंगलुरु (एजेंसी)। मई में कांग्रेस ने सिद्धारमैया को कर्नाटक का सीएम पद देते हुए तय किया था कि डीके शिवकुमार राज्य के इकलौते डिप्टी सीएम रहेंगे। कर्नाटक में तीन और डिप्टी सीएम बनाए जाने की मांग उठ रही है। कर्नाटक के कुछ मंत्री वीराशैवा-लिंगायत, एससी/एसटी और माइनॉरिटी कम्युनिटी के नेताओं को डिप्टी सीएम दिए जाने की पैरवी कर रहे हैं। इसे लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि इस मामले में कांग्रेस हाईकमान का फैसला फाइनल होगा। फिलहाल कर्नाटक में डिप्टी सीएम के पद पर वोक्कालिगा समुदाय के डीके शिवकुमार हैं। को-ऑपरेशन मिनिस्टर केएन राजन्ना, हाउसिंग मिनिस्टर बीजेड जमीर अहमद खान, पब्लिक वर्क्स मिनिस्टर सतीश जारकीहोली समेत कई अन्य नेताओं ने इस हफ्ते राज्य में तीन और डिप्टी सीएम बनाए जाने का मामला उठाया।

पीएम हसीना बोलीं- तीस्ता परियोजना पर जिसका प्रस्ताव अच्छा होगा उसी पर करेंगे विचार

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मंगलवार को कहा कि उनका देश भारत और चीन, दोनों के सीमापार तीस्ता नदी पर जलाशय से संबंधित एक बड़ी परियोजना निर्माण के लिए प्रस्तावों पर विचार करेगा तथा बेहतर प्रस्ताव को स्वीकार करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर पिछले सप्ताह भारत की यात्रा कर चुकी हसीना ने अपनी यात्रा को बहुत उपयोगी बताया और कहा कि भारत के शीर्ष नेतृत्व के साथ उनकी वार्ता के परिणाम मौजूदा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और सहयोग के नये रास्ते खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हसीना (76) ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने तीस्ता परियोजनाएं शुरू कीं। चीन ने प्रस्ताव दिया है और भारत ने भी। हम दोनों प्रस्तावों का मूल्यांकन करेंगे और हमारे लोगों के हितों के संदर्भ में जो सबसे अधिक लाभकारी और स्वीकार्य होगा, उसे स्वीकार करेंगे। यह पूछे जाने पर कि तीस्ता परियोजना के संबंध में भारत और चीन में से वह किस पक्ष का अधिक समर्थन करती हैं, हसीना ने कहा, हम अपने देश की विकास संबंधी आवश्यकताओं के आधार पर अपनी मित्रता बनाए रखते हैं।

सरकार के पास संया है लेकिन जनादेश नहीं, भाजपा अब प्रभुत्व नहीं जमा पाएगी : लोकसभा में बोले ओवैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि इस लोकसभा में सदन का स्वरूप बदल गया है और अब सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रभुत्व नहीं जमा पाएगी। लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर ओम बिरला को बधाई देते हुए ओवैसी ने कहा कि सदन में छोटे दलों को भी पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए। उन्होंने बिरला से कहा, ''आप सदन के संरक्षक हैं। हकीकत यह है कि इस बार सरकार

के पास संख्या है लेकिन जनादेश नहीं है, विपक्ष के पास जनता का समर्थन है। ओवैसी ने कहा, ''इसलिए छोटे दलों को पर्याप्त मौका दिया जाए। मैं उस समुदाय से आता हूं जिसके इस सदन में केवल 4 प्रतिशत सदस्य हैं। उन्हें मौका दिया जाए। उन्होंने कहा, ''इस बार सदन का स्वरूप बदल गया है। भाजपा अब प्रभुत्व नहीं जमा पाएगी। एआईएमआईएम सांसद ने यह भी कहा कि इस बार सरकार को लोकसभा उपाध्यक्ष का निर्वाचन करना चाहिए ताकि लोकसभा अध्यक्ष के काम का बोझ कम हो जाए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नव निर्वाचित सदस्य आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी ने कहा कि आज से बिरला किसी पार्टी के नहीं हैं और उनकी पार्टी केवल भारत का संविधान है।

दूध के दाम नहीं बढ़े..., सिद्धारमैया बोले- पैकेट में मात्रा बढ़ाने की वजह से ली जा रही अतिरिक्त कीमत

बैगलुरू (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने 'नंदिनी% दूध की कीमतों में 2 रुपए की बढ़ोतरी को लेकर कहा कि दूध की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई है। प्रति पाउच 50 मिली अतिरिक्त दूध के हिसाब से 2 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने बचाव करते हुए कहा कि दूध की बढ़ती खरीद के मद्देनजर किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए ऐसा किया गया है। सिद्धारमैया ने कहा कि, ''पिछले साल इसी समय के दौरान दूध (उत्पादन) 90 लाख लीटर (प्रतिदिन) था, अब यह 99 लाख लीटर से अधिक है। हमें किसानों से दूध खरीदना है, हम उन्हें मना नहीं कर सकते, दूध का उत्पादन होता है और इसे बाजार में बेचना होता है। इसलिए हमने आधा लीटर दूध के पैकेट की मात्रा 50 मिलीलीटर बढ़ा दी है। उन्होंने कहा, ''मात्रा बढ़ा दी गई है और बढ़ी हुई मात्रा के अनुपात में कीमत भी बढ़ा दी गई है। आधे और एक लीटर के पैकेट में 50 मिलीलीटर वाले दूध पैकेट की कीमत 2.10 रुपए बैठती है और हमने केवल 2 रुपये बढ़ाए हैं, हमने दूध की कीमत कहां बढ़ाई है? उन्होंने आगे कहा कि क्या हम उत्पादित दूध को फेंक सकते हैं? क्या हम किसानों से कह सकते हैं कि हम उनसे दूध नहीं खरीदेंगे?

सीएम धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की मुलाकात

नई दिल्ली/देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में आदरणीय केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। साथ ही उन्हें रक्षा मंत्री के रूप में दूसरे कार्यकाल की बधाई व शुभकामनाएं दी। वहीं इस अवसर पर उनसे प्रदेश के विकास से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर राजनाथ सिंह के साथ तस्वीर को शेयर किया। साथ ही लिखा कि इस दौरान उनसे कैंची धाम स्थित बाबा नीब करौरी आश्रम में श्रद्धालुओं और नैनीताल में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत नैनीताल में स्थित रक्षा संपदा की 3 एकड़ भूमि को पार्किंग हेतु उपलब्ध करवाने हेतु अनुरोध किया।

नीट पेपर लीक आरोपी चिंटू और मुकेश सीबीआई रिमांड पर

पटना (एजेंसी)। की विशेष सीबीआई अदालत ने नीट पेपर लीक मामले के आरोपी बलदेव कुमार उर्फ चिंटू और मुकेश कुमार को 3 दिन की सीबीआई रिमांड पर भेज दिया है। बिहार पुलिस की जांच के मुताबिक, चिंटू ने ही पेपर की फोटोकॉपी कराके 30 स्टूडेंट्स को दिए थें। साथ ही साथ किराए के कमरे में सवालों के जवाब याद कराए थे। वहीं, कोलकाता में नीट यूजी एग्जाम में मेरिट लिस्ट में पैसों के बदले किसी कैंडिडेट का नाम जोड़ने का मामला सामने आया है।

आरोपी ने स्टूडेंट के पेरेंट्स से मेरिट लिस्ट में नाम जोड़ने और कॉलेज में मेडिकल सीट देने के लिए 5 से 12 लाख रुपए तक की रकम वसूली है। पश्चिम बंगाल पुलिस ने आरोपी को 25 जून को देर रात गिरफ्तार किया। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की जांच जारी है। बिहार ईओडब्ल्यू की रिपोर्ट के मुताबिक झारखंड के हजारीबाग में क्रेश्चन पेपर के बॉक्स के रखरखाव और रिसीविंग में लापरवाही हुई है।

क्रेश्चन पेपर्स को 3 मई को एनटीए ने अपने अधिकारी की मौजूदगी में दिल्ली से रांची फ्लाइट के जरिए भेजा। रांची एयरपोर्ट पर हज्ज कर्मचारी ने क्रेश्चन पेपर्स वाले बॉक्स को कूरियर कंपनी को सौंपा। यहां से कंपनी के ट्रक में इन बॉक्सों को कूरियर ऑफिस ले जाया गया।

इंजमाम-उल-हक ने टीम इंडिया पर लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने मौजूदा आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के फाइनल सुपर 8 मुकाबले के बाद भारतीय टीम पर गंभीर आरोप लगाए। इंजमाम ने आरोप लगाया कि पारी के 15वें ओवर में रिवर्स स्विंग के लिए गेंद बनाई गई थी, जिसे तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने फेंका था। अर्शदीप, जिन्होंने अब तक टूर्नामेंट में भारत के लिए जबरदस्त प्रदर्शन किया है, प्रतियोगिता में पहले ही 15 विकेट अपने नाम कर चुके हैं और अग्रणी विकेट लेने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। इंजमाम ने न्यूज 24 पाकिस्तान पर भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच की समीक्षा के दौरान ये बात कही। जिस पर पैनल के एक अन्य पूर्व क्रिकेटर सलीम मलिक भी सहमत हुए। उन्होंने कहा कि 15वें ओवर में अर्शदीप सिंह को रिवर्स स्विंग मिल रही थी। अंपायरों को सावधान रहना चाहिए क्योंकि गेंद 15वें ओवर से ही रिवर्स स्विंग करने लगी थी, जिसका मतलब था कि 12वें-13वें ओवर तक गेंद तैयार हो रही थी। उन्होंने आगे कहा कि मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि अगर ये पाकिस्तान ने किया होता तो हंगामा मच जाता। हम जानते हैं कि रिवर्स स्विंग क्या है। और अगर अर्शदीप जैसे किसी को 15वें ओवर में रिवर्स स्विंग मिल रही है, तो इसका मतलब है कि गेंद पर कुछ गंभीर काम किया गया है। मलिक ने स्पष्ट रूप से गेंद से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए कहा कि वह पाकिस्तान के पूर्व कप्तान से कह रहे थे कि अगर उनके हाथ में कुछ है तो नजदीकी क्षेत्ररक्षकों को देखते रहें। इंजमाम ने कहा कि उन्हें भी यही बात समझ में आती अगर जसप्रित बुमरा को उनके एक्शन के कारण इतनी स्विंग मिल रही होती लेकिन अर्शदीप को नहीं।

सेमीफाइनल से पहले पूर्व दिग्गज पॉल कॉलिंगवुड ने की बड़ी भविष्याणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच गुरुवार को टी20 वर्ल्ड कप 2024 का दूसरा सेमीफाइनल खेला जाना है। दोनों टीमों की गुयाना के मैदान पर भारतीय समयानुसार रात 8 बजे भिड़ंत होगी। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 वर्ल्डकप 2022 में भी सेमीफाइनल खेला गया था जिसमें भारतीय टीम को 10 विकेट से हार झेलनी पड़ी। हालांकि, मौजूदा टूर्नामेंट में भारत के तेवर अलग रहे हैं। लेकिन इस मैच से पहले इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज पॉल कॉलिंगवुड ने बड़ी भविष्यवाणी की है। दरअसल, स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम शो पर कॉलिंगवुड ने कहा कि, पिछली योजना भारत पर शुरू से ही आक्रामक तरीके से हमला करने की थी। हालांकि, भारतीय टीम जैसी टीम उस रणनीति से हैरा नहीं हो सकती। 2022 में जब भारत ने पहले बल्लेबाजी की तो हमें पता था कि

हम उन्हें रोक सकते हैं। उस समय भारत रूढ़िवादी तरीके से खेला, खासकर शुरुआती 10 ओवरों में और फिर बाद में बराबरी करने की कोशिश की। साथ ही उन्होंने कहा कि, लेकिन भारत का दृष्टिकोण बदल गया है। वे समझते हैं कि इस रणनीति से वर्ल्ड कप नहीं जीता जा सकता। उन्हें जोखिण उठाने, बहादुर होने और खुलकर खेलने की जरूरत है। इसके साथ ही कॉलिंगवुड ने इंग्लैंड टीम को चेतावनी भी दी है। उन्होंने कहा कि, अगर उसने असाधारण प्रदर्शन नहीं किया तो भारत को रोकना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि, ईमानदारी से कहूं तो मैं इस बार भारत को हारते हुए नहीं देखता। इंग्लैंड को उन्हें हराने के लिए कुछ असाधारण करने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि पेसर जसप्रीत बुमराह की चुनौती कठिन होगी।

हमने अपने सभी समर्थकों को निराश किया, मैं टीम की तरफ से माफी मांगता हूं-शांतो

किंग्सटाउन (एजेंसी)। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने टी20 विश्व कप में अपनी टीम के खराबप्रदर्शन के लिए प्रशंसकों से माफी मांगते हुए इस निराशाजनक अभियान के लिए बल्लेबाजों को दोषी ठहराया।

भारत की ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद बांग्लादेश के पास सेमीफाइनल में जगह बनाने का मौका था लेकिन सुपर 8 के अपने अंतिम मैच में उसे अफगानिस्तान से हार का सामना करना पड़ा। शांतो ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,''सबसे पहले मैं यह कहना चाहूंगा कि एक टीम के रूप में हमने बांग्लादेश के अपने प्रशंसकों को निराश किया। इसलिए मैं टीम की तरफ से माफी मांगता हूं। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए।'' उन्होंने कहा,''हमें इसके लिए खेद है। हम भविष्य में इस तरह की परिस्थितियों में अच्छा खेल दिखाने का प्रयास करेंगे।'' बांग्लादेश की टीम सुपर 8 में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन शांतो ने कहा कि उनके लिए कुछ सकारात्मक पहलू भी रहे। उन्होंने कहा,''हमारे लिए सकारात्मक पहलू यह रहा कि हमारे गेंदबाजों ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। रिशाद हुसैन ने इस तरह के बड़े टूर्नामेंट में लगभग हर मैच में अच्छी गेंदबाजी की।

भारत और अफगानिस्तान के बीच फाइनल की दुआ कर रहे हैं अफगान शरणार्थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। छोटे से रोमिल वकील को पता नहीं है कि क्रिकेट की दुनिया में क्या हो रहा है, लेकिन मोहम्मद इस्माइल वेस्टइंडीज में चल रहे टी20 विश्व कप पर करीबी नजर रखे हुए हैं और उनकी दिली तमन्ना है कि इस टूर्नामेंट का फाइनल भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला जाए। अफगानिस्तान के शरणार्थी दिल्ली में भले ही दो जून की रोटी जुटाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं लेकिन उनमें से कई क्रिकेट के दीवाने भी हैं, जबकि कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें यह भी नहीं पता है कि राशिद खान कौन हैं। इनमें वकील भी शामिल हैं जो अपने 15 वर्षीय भाई इदरीश के साथ क्रिकेट खेलना पसंद करते हैं। इदरीश से जब पूछा गया कि क्या उन्होंने अफगानिस्तान की बांग्लादेश पर जीत का जश्न मनाया, तो उन्होंने कहा,''जश्न। कैसा जश्न। मैं क्रिकेट मैच कैसे देख पाऊंगा। मैं अपने परिवार के साथ वसंत विहार के फुटपाथ पर रहता हूं। हमारे जीवन में किसी तरह का आनंद नहीं है। ऐसे में क्रिकेट देखना कैसे संभव है।'' उन्होंने कहा,''हमारे लिए यह जिंदगी और मौत का सवाल है और अगर मैं खुश भी हो जाता हूं तो इससे हमारी जिंदगी में कोई बदलाव नहीं होगा।'' लेकिन इन शरणार्थियों में फजल बारी भी हैं जो लाजपत नगर के एक रेस्टोरेंट में काम करते हैं। उनका मानना है कि अफगानिस्तान की जीत से तालिबान शासित देश की छवि बदलेगी।

हंसते-हंसते आंखों में आंसू आ गए... बांग्लादेश पर अफगानिस्तान की बड़ी जीत पर बोले मिचेल मार्श

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले साल की वनडे चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम इस बार टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाई। उन्हें सुपर-8 में अफगानिस्तान के खिलाफ बड़े उलटफेर का शिकार होना पड़ा। इसके बाद भारत के खिलाफ मैच में मिली हार से उनका सफर खत्म हो गया। हालांकि, टीम की उम्मीदें अफगानिस्तान और बांग्लादेश मैच पर टिकी थीं, जिसे अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर पूरी तरह से खत्म कर दिया। इतिहास में पहली बार अफगानिस्तान टीम टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची है। वहीं अफगानिस्तान टीम की जीत के बाद कंगारू टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने कहा कि वह अफगानिस्तान और बांग्लादेश का मैच देखते हुए इतना हंसे की उनकी आंखों से आंसू आ गए। बता दें कि, मार्श ने एक बयान में अफगानिस्तान के गुलबद्दीन नाइब की

हैमस्ट्रिंग वाक्ये को लेकर दिया। उन्होंने कहा कि, हंसते-हंसते मेरी आंखों से आंसू आ गए। मैच पर इसका असर नहीं हुआ तो अब हम हंस सकते हैं। पर सचमुछ वह बहुत हंसाने वाला वाक्या था। ये शानदार था। हालांकि, भारतीय स्पिनर आर अश्विन ने गुलबद्दीन का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि, गुलबद्दीन गिर गए थे। सबने कहा कि उन्हें सजा दी जानी चाहिए। ऐसा क्यों? वह शख्स अपने देश के लिए खेल रहा है, वर्ल्ड कप जीतने की कोशिश कर रहा है। अफगानिस्तान में बहुत उम्मीदे हैं। वह एक-दूसरे के लिए खेल रहे हैं। हम हजार चीजे कह सकते हैं, क्या भारतीय खिलाड़ी एक-दूसरे के लिए नहीं खेलते, अपने देश के लिए नहीं खेलते बिलकुल खेलते हैं। लेकिन इस समय अफगानिस्तान के खिलाड़ी जिस तरह एक-दूसरे के लिए खेल रहे हैं, मैंने वैसा पहले कभी नहीं देखा। फिलहाल, बताते चले कि अफगानिस्तान और बांग्लादेश मैच में बारिश ने खलल होने वाला था। बांग्लादेश की बल्लेबाजी के दौरान राशिद 12वां ओवर फेंकने आए तो बारिश लगभग शुरू हो गई थी। उस समय के स्कोर के अनुसार अफगानिस्तान दो रन आगे था, राशिद के ओवर की चौथी गेंद के बाद अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रोट ने मैच को स्लो करने का इशारा किया ताकी अगर मैच आगे न हो सके तो उन्हें फायदा होगा। कोच का इशारा देखते हुए गुलबद्दीन अचानक जमीन पर गिर गए और कहा कि उन्हें हैमस्ट्रिंग आ गई है। इसी कारण मैच को कुछ देर के लिए रोका गया।

हालांकि, बारिश के बाद फिर से मैच शुरू हुआ और अफगानिस्तान ने जीत दर्ज कर ली। वहीं गुलबद्दीन को इसके लिए कुछ लोग ट्रोल कर रह हैं तो कुछ इनकी तारीफ भी कर रहे हैं।

पूर्व पाक कप्तान ने भारत पर लगाए आरोप, कहा- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में भारतीय गेंदबाजों ने की गेंद से छेड़छाड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के ग्रुप स्टेज से पाकिस्तान टीम बाहर हो गई थी। जिसके बाद पाकिस्तान की बौखलाहट शुरू हुई और वो बोखलाहट अभी तक खत्म नहीं हुई है। टीम इंडिया के बेहतरीन प्रदर्शन को देख कर पाकिस्तान में हर कोई हैरान है। लेकिन कुछ लोगों को भारत की जीत पच नहीं पा रही है, इसीलिए पूर्व पाकिस्तान कप्तान इंजमाम उल हक ने अब नया विवाद छेड़ दिया है। दरअसल, इंजमाम ने भारत पर गेंद से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पूर्व कप्तान का मानना है कि अंपायर को भारत के मैचों में अपनी आंखे खुली रखनी चाहिए। भारत और ऑस्ट्रेलिया के ही सेंट लूसिया में हुए मैच में रोहित शर्मा एंड कंपनी ने 24 रनों की शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में तेज गेदंबाज अर्शदीप सिंह ने बेहतरीन गेंदबाजी की। इंजमाम ने पाकिस्तानी टीवी चैनल पर बोलते हुए अर्शदीप के डाले गए 16वें ओवर पर सवाल उठाए हैं। इंजमाम उल हक ने कहा कि, लेकिन सोचने वाली बात ये है कि अर्शदीप सिंह 15वां ओवर जिस समय कर रहा था, उस समय रिवर्स स्विंग हो रहा था। नई गेंद के सात ये जल्दी नहीं है? क्योंकि गेंद 12वें, 13वें ओवर तक रिवर्स करने लगा था। क्योंकि जब वह 15वां ओवर करने आया था तो उसका रिवर्स स्विंग होना शुरू हो गया था। तो अंपायर को यहां भी आंखे खुली रखनी चाहिए। बता दें कि, पाकिस्तान टीम टी20 वर्ल्ड कप के लीग स्टेज मैच से ही बाहर हो गई थी। इस दौरान पाकिस्तान टीम महज दो ही मुकाबले जीत पाई, जबकि पहले यूएसए और फिर भारत से हुई हार झेलनी पड़ी।

डेविड वॉर्नर के संन्यास पर पत्नी कैंडिस ने शेयर किया इमोशनल पोस्ट

ऑस्ट्रेलिया (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज डेविड वॉर्नर के इंटरनेशनल क्रिकेट संन्यास के बाद पत्नी कैंडिस वॉर्नर ने एक भावुक मैसेज लिखा। इस दौरान कैंडिस ने सोशल मीडिया पर डेविड वॉर्नर के 15 साल के करियर की बड़ी उपलब्धियां गिनाई। अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत के खिलाफ खेला, जिसमें ऑस्ट्रेलिया को 24 रनों से हार झेलनी पड़ी। वहीं डेविड वॉर्नर की पत्नी कैंडिस ने इंस्टाग्राम पर पति की फोटो शेयर करते हुए दिल की बात लिखी है। उनकी इस पोस्ट में डेविड के पूरे 15 साल के करियर की उपलब्धियों पर सभी का ध्यान खींचा और उन्हें ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक बताया। कैंडिस ने लिखा कि, हमारे देश के लिए अब तक देखे गए सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट करियर में से एक के लिए डेविड वॉर्नर को बधाई। आगे की लाइन में सीट पाना सौभाग्य की बात है। हम आपको ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते हुए देखना मिस करेंगे, लेकिन हम आपके घर आने को लेकर बहुत उत्सुक हैं, लव यू। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर अपने लंबे करियर में ढेरों उपलब्धियां हासिल की हैं। वॉर्नर ऑस्ट्रेलिया के एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने तीनों फॉर्मेट में 100 से ज्यादा मैच खेले हैं। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया के लिए उन्होंने रिकी पोंटिंग के बाद तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा 18995 रन बनाए हैं। वॉर्नर दो बार वनडे वर्ल्ड कप एक बार

टी20 वर्ल्ड कप और एक बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं।

टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ बदला चुकता करने उतरेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आक्रामक बल्लेबाजी रवैये के साथ भारत गुरुवार को यहां टी20 क्रिकेट विश्व कप के सेमीफाइनल में जब गत चैंपियन इंग्लैंड से भिड़ेगा तो एक दशक से अधिक समय से नॉकआउट चरण में हार के सिलसिले को तोड़ने की कोशिश करेगा। पिछली बार जब ये दोनों टीमें इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भिड़ी थी तो इंग्लैंड ने भारत को 2022 में 10 विकेट से रौंद दिया था। एडिलेड में 10 विकेट की करारी हार के बाद से भारत शीर्ष क्रम में अपने रूढ़िवादी रवैये को छोड़ने में सफल रहा और इस प्रतियोगिता में अब तक अजेय रहा है। प्रोविडेंस स्टेडियम में संभावित परिस्थितियों को देखते हुए कागजों पर रोहित शर्मा और उनकी टीम मजबूत नजर आती है और बदला चुकता करने के लिए तैयार दिखती है। स्पिनरों ने शुरुआती मैच से ही यहां गेंदबाजी का आनंद लिया है और भारत के कुलदीप यादव और इंग्लैंड के आदिल राशिद जैसे खिलाड़ी नॉकआउट मुकाबले में अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए बेताब होंगे। तेज गेंदबाजों को भी इस मैदान पर सफलता मिली है। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी ने प्रतियोगिता की शुरुआत में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। दिलचस्प बात यह है कि आठ जून के बाद से यहां कोई मैच नहीं खेला गया है।

उस दिन वेस्टइंडीज ने युगांडा के खिलाफ आसान जीत दर्ज की थी। इससे क्यूरेटर को इस हाई प्रोफाइल मैच के लिए उपयुक्त पिच तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया। भारत ने सुपर आठ चरण में शानदार प्रदर्शन किया लेकिन सेमीफाइनल के अत्यधिक दबाव में सहज गलतियां हो जाती हैं। शीर्ष क्रम में भारत विराट कोहली के बल्ले से रन की उम्मीद करेगा जिन्होंने अपने उच्च मानकों के अनुसार इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। इसके विपरीत उनके सलामी जोड़ीदार और कप्तान रोहित ने निडर क्रिकेट के मामले में अन्य बल्लेबाजों के लिए मानक स्थापित किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी 41 गेंद में 92 रन की धमाकेदार पारी को आने वाले कुछ समय तक आसानी से भुलाया नहीं जा सकेगा। रोहित और कोहली दोनों के लिए यह शायद भारत की जर्सी में टी20 विश्व खिताब जीतने का आखिरी मौका है और दोनों अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होंगे। रोहित ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वह व्यक्तिगत उपलब्धियों की परवाह किए बिना पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी करने का इरादा रखते हैं जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में भी स्पष्ट था। शिवम दुबे ने मध्यक्रम में उम्मीद के मुताबिक बल्लेबाजी नहीं की है और यह देखना दिलचस्प होगा कि वह चतुर लेग स्पिनर राशिद के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं। भारत के इस मैच में बिना किसी बदलाव के उतरने की संभावना है। हालांकि टीम के पास लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं जो इंग्लैंड के फिल सॉल्ट, जोस बटलर, हैरी ब्रूक और जॉनी बेयरस्टो जैसे दाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ उपयोगी साबित हो सकते हैं। चहल को इस प्रतियोगिता में अब तक एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला है और आगे भी ऐसा ही रहने की उम्मीद है क्योंकि भारत के रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप की स्पिन तिकड़ी को ही मौका देने की उम्मीद है। कुलदीप सुपर आठ में टीम के लिए तुरुप का इक्का साबित हुए। जसप्रीत बुमराह शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं और इंग्लैंड को उनके खिलाफ रन बनाने के लिए कुछ खास करना होगा। हार्दिक पंड्या ने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से प्रभावित किया है और टीम को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन को जारी रखने की उम्मीद होगी।

सेमीफाइनल से पहले सूर्यकुमार यादव ने गंवाया नंबर 1 का ताज

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल मुकाबले से पहले आईसीसी ने टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग जारी की है। वहीं इस रैंकिंग से सूर्यकुमार यादव को बड़ा नुकसान हुआ है। दरअसल ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड ने सूर्यकुमार यादव को टी20 रैंकिंग में पीछे छोड़ दिया है। सूर्यकुमार यादव दिसंबर 2023 से टी20 फॉर्मेट में नंबर 1 स्थान पर काबिज थे। लेकिन ट्रैविस हेड ने हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ 76 रन की शानदार पारी खेलकर सूर्या से नंबर वन का ताज छीन लिया है। इसके बाद अब आईसीसी की टी20 रैंकिंग में हेड नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई बाएं हाथ के बल्लेबाज ने चार स्थानों की छलांग लगाकर टॉप स्थान पर कब्जा जमा लिया है। सूर्यकुमार, फिल साल्ट, बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान सभी एक साथ नीचे गिर गए हैं। साथ ही ये सभी खिलाड़ी टॉप 5 में शामिल हैं। जॉनसन चार्ल्स टॉप दस में एकमात्र नए खिलाड़ी हैं, जो 10वें स्थान पर पहुंचे हैं। अफगानिस्तान के स्टार रहमानुल्लाह गुरबाज पांच स्थान ऊपर जाने के बाद एक स्थान नीचे हैं। दूसरी ओर, टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में वानिंदु हसरंगा ने भारत के हार्दिक पंड्या के साथ अपना टॉप स्थआन फिर से हासिल कर लिया है, वहीं अब वो तीसरे स्थान पर आ गए हैं। ऑलराउंडरों में वेस्टइंडीज के रोस्टन चेज 17 पायदान ऊपर 12वें स्थान पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के आदिल राशिद टॉप पर बने हुए हैं। राशिद खान मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर दूसरे स्थान पर आ गए हैं। जोश हेजलवुड तीन स्थान ऊपर चढ़कर हसरंगा के बाद चौथे स्थान पर पहुंचे हैं।

संतुष्टिपूर्ण होना चाहिये सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का निराकरण

कलेक्टर मैहर ने टीएल की बैठक में दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर मैहर रानी बाटड की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार मैहर समय-सीमा की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा सहित जनसुनवाई में प्राप्त हुये आवेदनों और विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने विभाग प्रमुख अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि ग्रामीण विकास, पीएचई और माइनिंग विभाग को शिकायतो के निराकरण के लिए 'ए' ग्रेड, खाद्य, पुलिस और जल संसाधन को 'बी' ग्रेड तथा महिला बाल विकाश, स्कूल शिक्षा को 'सी' ग्रेड दिया गया है। कलेक्टर ने कहा कि जो विभाग अच्छा काम कर रहे है, उन्हें प्रोत्साहन मिलना जरुरी है। इससे अन्य विभागो को प्रेरणा मिलेगी। जिन विभागों की ग्रेडिंग अभी निचले स्तर पर हैं। ऐसे विभाग प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने पर विशेष ध्यान दें और विभाग की ग्रेडिंग के स्तर में सुधार लायें। बैठक में अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम अमरपाटन आरती यादव, एसडीएम रामनगर डॉ आरती सिंह, प्रभारी डीपीओ राजेंद्र बांगरे, सीईओ प्रतिपाल बागरी, सीएमओ अमरपाटन सुषमा मिश्रा, पीआईयू मंदाकिनी गुप्ता सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर बाटड ने कहा कि 20 जून से 20 जुलाई तक सभी नई शिकायतो को ध्यान पूर्वक देख कर निराकरण करना है, ताकि शिकायतो की संख्या में वृद्धि नहीं हो। उन्होने कहा कि 50 दिवस से अधिक की लंबित शिकायतो के निराकरण पर संबंधित विभाग विशेष ध्यान दें। कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक विभाग प्रतिदिन 5 शिकायतो का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करना सुनिश्चित करे। सीएम हेल्पलाइन की शिकायते नॉट अटेंड नहीं होनी चाहिए। सभी विभाग इन चार बातों पर ध्यान दें कि शिकायतों को संतुष्टि के साथ बंद करना, निम्न गुणवत्ता वाले जवाब अंकित नहीं करें, शिकायतें नॉट अटेंड नहीं हों तथा भी विभाग सीएम हेल्पलाइन में भविष्यात्मक जवाब पोर्टल में नहीं डाले। कलेक्टर ने कहा कि बारिश के साथ पौधा रोपण करना शुरु कर दें। इसमें ग्रामीण क्षेत्र और वन विभाग को 1 लाख 17 हजार और शहरी क्षेत्र में 25 हजार पौधा रोपण का लक्ष्य दिया गया है। बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्रीमती बाटड ने उचित मूल्य की राशन दुकानों में जानकारी प्रदर्शित करने वाले बोर्ड नहीं लगाने तथा राशन दुकानों के सेल्समैन द्वारा राशन वितरण के पूर्व ही अंगूठे की छाप लेने पर सहकारी विभाग के अधिकारियों के प्रति अप्रसन्नता जाहिर की। उन्होने शीघ्र ही सभी शासकीय राशन दुकानों में बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। साथ ही सेल्समैन द्वारा राशन वितरण बरती जा रही मनमानी को भी नियंत्रित करने के निर्देश दिये।

सहायक जेल अधीक्षक एवं जेल प्रहरी भर्ती की द्वितीय चरण की परीक्षा 2 से

शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता का होगा टेस्ट

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा सहायक जेल अधीक्षक एवं जेल प्रहरी भर्ती हेतु लिखित परीक्षा 25 मई 2023 से 20 जून 2023 तक आयोजित की गई थी। इसका परीक्षा परिणाम 14 मार्च 2024 को घोषित किया जा चुका है।

जेल अधीक्षक केंद्रीय जेल सतना लीना कोष्टा ने बताया कि सहायक जेल अधीक्षक एवं जेल प्रहरी के पदों के सफल अभ्यर्थियों के शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट द्वितीय चरण की परीक्षा जेल विभाग द्वारा स्वयं लिया जाएगा। प्रथम चरण में चयनित उम्मीदवारों का शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट मोतीलाल नेहरू पुलिस स्टेडियम भोपाल में 2 जुलाई 2024 से 7 जुलाई 2024 तक आयोजित किया जाएगा। इसका विस्तृत विवरण मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल की वेबसाइट पर उपलब्ध है। सफल अभ्यर्थी वेबसाइट पर उपलब्ध प्रपत्रों को निकालकर नियत तिथि पर आवश्यक दस्तावेजों एवं जानकारी सहित शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट के लिए उपस्थित हो सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि सहायक जेल अधीक्षक के 33 पद एवं जेल प्रहरी के 200 पदों के लिए मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा क्रमशः 414 एवं 2264 अभ्यर्थियों को द्वितीय चरण हेतु पात्र पाया गया है। जिनका द्वितीय चरण में शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट लिया जाना है। शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट में योग्य पाए जाने वाले अभ्यर्थियों में से मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल अंतिम चयन सूची जारी करेगा, जिन्हें जेल विभाग द्वारा प्रहरी के पद पर नियुक्ति प्रदान की जाएगी।

नशामुक्त, स्वच्छ, सुरक्षित एवं समृद्ध समाज के निर्माण में सहभागी बने: उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि नशा व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से अवनति की ओर ले जाता है। उन्होंने सभी नागरिकों से 'अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस' के अवसर पर 'नशा मुक्त' स्वच्छ, सुरक्षित व समृद्ध समाज के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की है।

उल्लेखनीय है कि उप मुख्यमंत्री शुक्ल नशामुक्ति के लिए समाज को जागरूक करने का कार्य करते रहे हैं। विंध्य क्षेत्र में युवाओं में नशीले पदार्थ की लत के प्रति चिंतित होकर हॉल ही में उन्होंने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। उन्होंने आदित्यनाथ से उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों से मध्यप्रदेश एवं मुख्यतः विंध्य क्षेत्र के जिलों में विक्रय हो रहे मादक पदार्थ (कोडिन फॉस्फेट (कोरेक्स) जिससे युवाओं में नशे की लत बढ़ रही है,) की रोकथाम एवं ऐसा करने वालों पर एनडीपीएस ऐक्ट के तहत सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

व्यय प्रेक्षक की कार्य सहायता के लिये लायजनिंग नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को चुनाव परिणाम की घोषणा हो जाने के उपरांत 30 दिवस के अंदर निर्वाचन व्यय लेखा जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराना होगा। निर्वाचन व्यय लेखा परीक्षण के दौरान सतना लोकसभा क्षेत्र के लिये भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त व्यय प्रेक्षक स्पेंसर एम मिल्लियम उपस्थित रहेंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने व्यय प्रेक्षक की कार्य सहायता के लिये खनिज निरीक्षण आशुतोष मिश्रा का लायजनिंग अधिकारी नियुक्त किया है। इसी प्रकार स्टेनो अभिनंदन मिश्रा, कंप्यूटर ऑपरेटर आदित्य गुप्ता की ड्यूटी कार्य सहायता के लिये लगाई गई है।

पुलिस ने पकड़ा एटीएम से फ्रॉड करने वाला बदमाश

गार्ड की नौकरी करते हुए सीखा था तरीका, मशीन के बारे में थी तकनीकी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। एटीएम कार्ड के जरिए लोगों के बैंक खाते से रकम उड़ाने वाले एक अंतरराज्यीय बदमाश को सतना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी यहां फर्जी नंबर प्लेट लगाकर स्कूटी से घूमता था और मशीन में गड़बड़ी कर वारदात को अंजाम देता था।

जानकारी के मुताबिक, कोलगवां थाना पुलिस ने एटीएम बूथ से कार्ड के जरिए लोगों के पैसे उड़ाने के मामलों में अंतरराज्यीय बदमाश विशाल खन्ना (38) निवासी, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। वह यहां सतना में शास्त्री चौक में किराए पर कमरा लेकर रहता था और स्कूटी पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर एटीएम बूथ के पास रेकी करता रहता था। वह अपनी स्कूटी (यूपी65 ईजे 0262) भी सतना ले आया था लेकिन यहां उसने उस पर यूपी65 ई 0264 लिखवा कर नंबर प्लेट लगा ली थी। आरोपी वाराणसी में एटीएम बूथ पर गार्ड की नौकरी करता था लिहाजा उसे मशीन में रुपए रखने और मरम्मत के दौरान मशीन खोले जाने के तरीके पता थे। इन तरीकों का इस्तेमाल वह यहां एटीएम से पैसे उड़ाने के लिए करता था।

पुलिस ने बताया कि एटीएम से लोगों के पैसे गायब होने की घटनाओं की जांच के दौरान बूथों के आसपास एक स्कूटी हर बार देखी गई। जब इस स्कूटी का नंबर सर्च कराया गया तो वह फर्जी निकला लिहाजा स्कूटी की निगरानी कराई गई और संदेह के आधार पर विशाल खन्ना को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई। उसका रिकॉर्ड भी आईसीजेएस पोर्टल में चेक किया गया तो पता चला कि वाराणसी में भी ऐसी चार घटनाओं को अंजाम देने के मामले में उसे पकड़ कर जेल भेजा गया था। तब उसने सतना में 4 वारदातों को अंजाम देकर 90 हजार रुपए उड़ाने की बात स्वीकार की।

ऐसे करता था वारदात: पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह एटीएम मशीन के बारे में तकनीकी जानकारी रखता था लिहाजा वह कार्ड रीडर को मशीन के स्लॉट से हटा देता था जिससे कार्ड डालते ही ग्राहक का कार्ड मशीन में गिर जाता था। इस दौरान विशाल वहीं खड़े रहकर पिन नंबर देख लेता था। बाद में कार्ड निकाल कर वह बैंक खाते से पैसे निकाल लेता था। अगर वह कोशिश में नाकाम हो जाता था तो स्लॉट में फेवीक्विक डाल कर उसे बंद कर देता था। इस काम के लिए उसने सिद्धार्थ नगर बढईया में लगे बूथ और नवरंग पार्क के पास लगे एटीएम बूथ को अपना टारगेट बनाया था। पुलिस ने उसके पास से एक लैपटॉप भी जब्त किया है।

ये रहे पुलिस टीम में: इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में कोलगवां थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुदीप सोनी थाना प्रभारी कोलगवां, सब इंस्पेक्टर एपी मिश्रा, एएसआई उमेश कुमार पाण्डेय, अम्बरीश द्विवेदी, हेड कांस्टेबल अंकित, आरक्षक रिंकू जाटव, कृष्णंरजन सिंह, राहुल कुमार साहू एवं साइबर टीम इंस्पेक्टर विजय सिंह, सब इंस्पेक्टर अजीत सिंह, एएसआई दीपेश कुमार पटेल तथा सीसीटीवी कंट्रोल रूम (आईटीएमएस) से मोहित सिंह, निखल सिंह परिहार एवं जया सिंह परिहार शामिल रहे।

मैहर जिले की सभी ग्राम पंचायतों में मंगलवार को आयोजित होगी जनसुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने आमजन के समस्याओं के लिये प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले जनसुनवाई को और अधिक प्रभावी बनाने अगले मंगलवार से जिले की सभी ग्राम पंचायतों में जनसुनवाई आयोजित करने का आदेश जारी किया है। जारी आदेशानुसार प्रत्येक मंगलवार को ग्राम पंचायत स्तर की जनसुनवाई में प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आमजनों की समस्याओं पर सुनवाई की जायेगी। जिसमें पंचायत स्तर के कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। जनसुनवाई का पर्यवेक्षण मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत द्वारा किया जायेगा। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की जानकारी सायं 5 बजे तक मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत के द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सतना/मैहर की प्रेषित की जायेगी। जिला पंचायत द्वारा इन आवेदनों का नियमानुसार निराकरण किया जायेगा।

विकासखंड स्तर पर भी होगी जनसुनवाई: कलेक्टर मैहर रानी बाटड द्वारा जनसुनवाई आयोजित करने के संबंध में जारी आदेशानुसार अब विकासखंड स्तर पर भी प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित होगी। संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई की जायेगी। जिसमें विकासखंड स्तर के सभी विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। प्राप्त आवेदनों का पृथक से संधारण किया जायेगा। जारी आदेशानुसार मैहर विकासखंड की जनसुनवाई जिला स्तर की जनसुनवाई में सम्मिलित रुप से होगी।

कलेक्टर मैहर ने दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। नशा निवारण अभियान के तहत 15 जून से 30 जून तक नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने जिला कलेक्ट्रेट सभागार में उपस्थित सभी विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम अमरपाटन आरती यादव, एसडीएम रामनगर डॉ आरती सिंह, सीईओ प्रतिपाल बागरी, सीएमओ अमरपाटन सुषमा मिश्रा, एलडीएम गौतम शर्मा, प्रभारी डीपीओ राजेंद्र बांगरे उपस्थित रहे।

एनीमल हस्बेंड्री एवं डेयरी टेक्नोलॉजी डिप्लोमा इंट्रेस टेस्ट आज

दो पालियों में आयोजित होगी परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा एनीमल हस्बेंड्री एवं डेयरी टेक्नोलॉजी डिप्लोमा इंटेऊस टेस्ट 2024 की परीक्षा 27 जून को आयोजित की जा रही है। सतना जिले में परीक्षा आयोजन के लिये मां मीरा कॉन्वेंट हायर सेकण्डरी स्कूल डेलौरा सतना को केंद्र बनाया गया है।

परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 9 से 11 बजे तक एवं दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षार्थियों के लिये रिपोर्टिंग समय परीक्षा शुरु होने के एक घंटे पूर्व नियत किया गया है। प्रथम पाली की परीक्षा में परीक्षार्थी प्रातः 7 बजे से 8 बजे तक दूसरी पाली की परीक्षा में दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक रिपोर्ट कर सकेंगे।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अनुराग वर्मा ने परीक्षा के सुचारु संचालन के लिये अधिकारियों का दल गठित किया है। जो संपूर्ण परीक्षा अवधि के दौरान परीक्षा की गतिविधियों पर नजर बनाये रखेंगे।

जारी आदेशानुसार संयुक्त कलेक्टर नीरज खरे को सहायक समन्वयक, डिप्टी कलेक्टर गोविंद सोनी को प्रशासनिक आब्जर्वर (उड़नदस्ता) नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार डीएसपी महेंद्र सिंह चौहान को सुरक्षा समन्वयक, एनआईसी इंजीनियर मनोहर कुमार को तकनीकी प्रशिक्षक तथा सहायक प्राध्यापक गेहचंद्र पटेल और सुरभी केशरवानी को आब्जर्वर नियुक्त किया गया है।

अभ्यर्थियों, अभिकर्ताओं एवं व्यय-लेखा कार्मिकों की प्रशिक्षण बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने लोकसभा निर्वाचन 2024 में संसदीय क्षेत्र क्रमांक 9 सतना से चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों को 4 जुलाई को शाम 5 बजे तक व्यय लेखा की मूल प्रति, जारी समस्त अनुमतियां, शपथ पत्र, अपडेटेड बैंक पासबुक, स्टेटमेंट की फोटोकॉपी की हस्ताक्षरित प्रति जिला निर्वाचन कार्यालय सतना को उपलब्ध कराने के लिये कहा है।

इस संबंध में अंतिम तारीख के पहले 27 जून को दोपहर 2 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अभ्यर्थियों, उनके लेखा अभिकर्ताओं एवं व्यय लेखा प्राप्त करने में संलग्न कार्मिकों की प्रशिक्षण बैठक आयोजित की गई है। संबंधितों से बैठक में उपस्थित रहने की अपेक्षा की गई है।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की बेंच ने मझगवां में की सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली की बेंच ने 'आकांक्षी ब्लाक मझगवां' में बच्चों के अधिकारों से जुड़े प्रकरणों की सुनवाई की। शिविर में चिन्हित बच्चों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में बच्चों के आधार कार्ड तथा आयुष्मान कार्ड बनाने के साथ ही अन्य योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेडिकल बोर्ड की टीम के माध्यम से बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की गयी तथा दिव्यांगता प्रमाणपत्र जारी किए गये। इसके साथ ही आधार पंजीयन, नवीन आयुष्मान कार्ड निर्माण, बैंक खाता खोलने तथा महिला बाल विकास की स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ देने

के लिए स्टॉल लगाए गए। इस दौरान मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 12वीं की परीक्षा में राज्य की मेरिट में पांचवा स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र अवनीश त्रिपाठी का सम्मान बेंच द्वारा किया गया। बेंच के समक्ष 101 आवेदन प्राप्त हुए। अधिकांश आवेदन माता-पिता को खोने वाले बालको से संबंधित स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ लेने के लिये प्राप्त हुए। इसी प्रकार अन्य आवेदनों में आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, विद्यालय में प्रवेश, विधवा पेंशन, छात्रावास में प्रवेश के आवेदन प्राप्त हुए। अधिकांश आवेदनों का निराकरण मौके पर ही किया गया तथा शेष पर कार्यवाही प्रचलन में है।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली की बेंच द्वारा शिविर में आये हितग्राहियों की समस्यों का समाधान किया गया तथा जिन समस्याओं का निराकरण नहीं हो सका उनके लिए समय सीमा निर्धारित की गई। शिविर में प्राप्त आवेदनों का विभागवार संकलन कर संबंधित विभाग के समक्ष प्रस्तुत किये जायेंगे। शिविर में विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में प्राप्त समस्याओं के निराकरण के संबंध में समझाइश दी गयी। इस दौरान आयोग के सदस्य राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग से कल्पेंद्र परमार, मध्यप्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य अनुराग पांडेय, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मझगवां जितेंद्र वर्मा, एसडीओपी विक्रम सोलंकी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सुलभ सिंह पुसाम, जिला शिक्षा अधिकारी नीरव दीक्षित, सहायक श्रम आयुक्त हेमंत डेनियल, जिला कार्यक्रम अधिकारी सौरभ सिंह सहित विकासखंड चिकित्सा अधिकारी, विभिन्न विभागों परियोजना अधिकारी, ब्लॉक को-आर्डिनेट, महिला बाल विकास पर्यवेक्षक, गैर सरकारी संगठनों से विकास संवाद एवं आदिवासी अधिकार मंच से प्रतीक गुप्ता, ग्राम सुधार समिति से अमित बाबा, टीम बचपन बचाओ आंदोलन से रणभान लोधी उपस्थित रहे।

जिले में अब तक 45.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिले में इस वर्ष 1 जून से 26 जून तक 45.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 134.1 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 51.9 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 35.5 मि.मी, बिरसिंहपुर में 31 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 9 मि.मी., नागौद में 30.3 मि.मी., जसो (नागौद) में 11.8 मि.मी., उचेहरा में 27.5 मि.मी. मैहर में 34.5 मि.मी., अमरपाटन में 106 मि.मी. तथा रामनगर तहसील में 27.4 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है।

जिले की औसत सामान्य वर्षा 1039.7 मि.मी. है। विगत वर्ष इस अवधि तक जिले में औसत वर्षा 24.9 मि.मी. वर्षा दर्ज की जा चुकी थी।

भूतपूर्व सैनिकों से विभिन्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। संचालनालय सैनिक कल्याण मध्यप्रदेश अन्तर्गत जिलों में संचालित कार्यालयों में रिक्त पदो की पूर्ति के लिये भूतपूर्व सैनिकों से आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल मुनींद्र त्रिपाठी ने बताया कि अधीक्षक, सहायक ग्रेड-2, शीघ्रमुद्रलेखक, सहायक ग्रेड-3, भृत्य तथा चौकीदार सह फर्राश के पदों के लिए जिला सैनिक कल्याण कार्यालय सतना में 10 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।